पाठ्यक्रम

(Syllabus)

परास्नातक/एम. ए. राजनीति विज्ञान

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम ढांचा (LOCF)

पाठ्यक्रम/सत्र – 2020-21से --------

SYLLABUS/SESSION: 2020-21 to ______
LOCF PATTERN

राजनीति विज्ञान विभाग
Political Science Department
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
Faculty of Social Science
महात्मा गांधी अंन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)
MAHATMA GANDHI ANTARRASHTRIYA HINDI VISHWAVIDYALAYA
WARDHA, MAHARASHTRA

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1.विश्वविद्यालय के उद्देश्य(Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

विभाग की कार्य-योजना :

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग की विस्तृत कार्य-योजना :

शीर्षक	कार्य-योजनाएँ
शिक्षण	• उपाधि कार्यक्रम ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम ❖ स्नातक कार्यक्रम ✓ अंतरविषयी दृष्टिकोण पर एक विशेष प्रोत्साहन के साथ आलोचनात्मक, नवाचार और मौलिक राजनीतिक, सामाजिक तथ्यों की अत्याधुनिक अनुसंधानपरक अध्ययन-अध्यापन की संस्कृति को बढ़ावा देना। ✓ राजनीतिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ आसन्न राजनीतिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों को भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जानना और समझ विकसित करना। ✓ ऐसे पाठ्यचर्या, शिक्षण, शोध और अन्य अकादमिक गतिविधियों की संरचना और संचालन करना जिससे छात्रों में समीक्षात्मक विवेक का विकास हो।
प्रशिक्षण (यदि कोई है)	• हिंदी भाषा दक्षता हेतु कार्यक्रम का आयोजन करना। • सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) की तकनीकी दक्षता का शोध एवं शिक्षण में अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करना। • उच्च शिक्षा के नवाचारों जैसे विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS), ऑनलाइन अधिगम, अंतरानुशासन आदि के क्षेत्र में प्रयोग को बढ़ावा देना। • अंतरविषयी दृष्टि की पुष्टता एवं प्रोत्साहन हेतु अन्य विभागों के साथ अंतरविषयक अध्ययन-अध्यापन का आयोजन करना। • राजनीतिक नवाचार और परिवर्तन के संदर्भ में विद्यार्थियों हेतु गोष्ठियों का आयोजन। • विभिन्न राजनीतिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों से संबंधित व्याख्यानों एवं गोष्ठियों का आयोजन। • छात्रों हेतु व्यवहारमूलक क्रियाओं के लिए राष्ट्रीय एवं वैश्विक मुद्दों को क्षेत्रीय संदर्भ में समझने एवं उसका भारत पर पड़ने वाले प्रभाव की समझ विकसित करने हेतु समय-समय पर छोटे-छोटे कार्यशालाओं का आयोजन करना। • वैज्ञानिक शोध हेतु गुणात्मक एवं गणनात्मक प्रविधियों की अलग-अलग कार्यशालाओं का आयोजन करना।
शोध	• राजनीतिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ आसन्न राजनीतिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्र। • भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ अंतरविषयी दृष्टिकोण।

	पी-एच.डी. कार्यक्रम : प्राध्यापकों की स्थायी नियुक्ति के बाद पी-एच.डी. कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा।
	शोध-परियोजना : प्राध्यापकों की स्थायी नियुक्ति के बाद शोध-परियोजना प्रारंभ की जाएगी।
ज्ञान-वितरण के माध्यम	• व्याख्यान • संवाद कक्षा • व्यावहारिक एवं क्षेत्र कार्य
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है)	X

ज्ञान शांति मैत्री

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा
Template forthe Teaching Programme

1. विभाग/केंद्र का नाम : राजनीति विज्ञान विभाग
(Name of the Department/Centre) : Political Science Department

2. पाठ्यक्रम का नाम : राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर
(Name of the Programme)

3. पाठ्यक्रम कोड : MAPS (एमएपीएस)
(Code of the Programme)

4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(Programme Learning Outcomes)
(विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
• राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रम छात्रों को ऐसी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है जो उनमें राजनीतिक जागरूकता उत्पन्न कर एवं उसे बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता को पुष्ट करता है। • पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक न्याय की समझ को पुष्ट करना है। • सामाजिक विज्ञान के विविध अनुशासनों में हो रहे ज्ञान के विस्तार को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों में सघन सैद्धांतिक दृष्टि का विकास किया जाएगा। • समसामयिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संबंधों एवं सामाजिक मुद्दों के प्रति समझ विकसित होगा। • राजनीतिक व्यवस्था एवं राजनीतिक प्रक्रिया के संचालन की विधाओं का ज्ञान होगा। • विद्यार्थियों को राजनीति विज्ञान की आगमनात्मक एवं निगमनात्मक सहित विभिन्न अध्ययन पद्धतियों एवं सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों से परिचय होगा। • विद्यार्थियों में राजनीतिक एवं सामाजिक समस्याओं एवं उनके समाधान हेतु समझ विकसित होगा।	• विकसित एवं अध्ययन पद्धति संबंधी अनुप्रयोगों से सैद्धांतिक दृष्टि एवं कौशल विकसित होगा। • अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं स्थानीय राजनीतिक मुद्दों को समग्रता व स्पष्टता में देखने व विश्लेषित करने की दक्षता विकसित होगी। • समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्य के प्रति रुचि का विस्तार होगा। • विशिष्ट ज्ञान, अभिवृत्ति और मूल्य के अभ्यास का विकास होता है। • राजनीतिक एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान का कौशल विकसित होगा। • नैतिक और व्यावसायिक व्यवहार का विकास होगा तथा सुशासन की दृष्टि से जनसहभागिता एवं उत्तरदायित्व पूर्ण जीवन दृष्टि का विकास होगा। • अग्रिम राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, मानवाधिकार और पर्यावरणीय न्याय संबंधी समझ का विकास होगा। • राजनीतिक क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास संबंधी कौशल का विकास होगा। • व्यक्तियों, परिवारों, समूहों, संगठनों और समुदायों के साथ राजनीतिक गतिविधियों एवं हस्तक्षेप संबंधी कौशल का विकास होगा। • राजनीतिक एवं प्रशासनिक योजना निर्मिति एवं उसके क्रियान्वयन संबंधी कौशल का विकास होगा।	• माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा में शिक्षण एवं शोध का अवसर। • मानव संसाधन विशेषज्ञ के रूप में अवसर। • राजनीति विज्ञानी के रूप में अवसर। • प्रशासनिक सेवा एवं उच्च शिक्षा में अवसर। • शहरी और ग्रामीण नियोजन में अवसर। • लेखन व स्वतंत्र पत्रकारिता में अवसर। • पब्लिक रिलेशन में अवसर। • अन्तर्राष्ट्रीय सहायता एवं विकास के क्षेत्रों में अवसर। • राजनीतिक विश्लेषक, सोशल मीडिया मैनेजर एवं राजनीतिक सलाहकार के रूप में अवसर। • सरकारी एवं गैर-सरकारी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, विकसित एवं विकासशील देशों के लिए जागरूकता अभियानों और परियोजनाओं में राजनीतिक- सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में सेवा का अवसर।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा, तदनुरूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (CoreCourse)			ऐच्छिक पाठ्यचर्या (ElectiveCourse)			योग
प्रथम सेमेस्टर	एम.ए.पी.एस.-01	प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन	4	एम.ए.पी.एस.ई.-01	भारत में स्वतंत्रता संग्राम एवं संवैधानिक विकास	4	22 क्रेडिट
	एम.ए.पी.एस.-02	पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन	4				
	एम.ए.पी.एस. -03	भारतीय शासन एवं राजनीति	4	एम.ए.पी.एस.ई.-02	प्राचीन भारत की राजनीतिक एवं प्रशासनिक संस्थाएं	2	
	एम.ए.पी.एस. -04	अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत	4				
द्वितीय सेमेस्टर	एम.ए.पी.एस.-05	आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन	4	एम.ए.पी.एस.ई-03	समसामयिक अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दे	4	22 क्रेडिट
	एम.ए.पी.एस.-06	आधुनिक पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन	4				
	एम.ए.पी.एस.-07	द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति	4	एम.ए.पी.एस.ई-04	संयुक्त राष्ट्र	2	
	एम.ए.पी.एस.-08	अंन्तर्राष्ट्रीय संगठन	4				
तृतीय सेमेस्टर	एम.ए.पी.एस.-09	लोकप्रशासन	4	एम.ए.पी.एस.ई-05	भारतमेंराज्यराजनीति	4	24 क्रेडिट
	एम.ए.पी.एस.-10	तुलनात्मक शासन एवं राजनीति	4				
	एम.ए.पी.एस.-11	भारत में शासन विधि एवं लोकनीति	4	एम.ए.पी.एस.ई-06	प्रमुखदेशोंकीविदेशनीति	4	
	एम.ए.पी.एस.-12	शोध प्रविधि	4				
चतुर्थ सेमेस्टर	एम.ए.पी.एस.-13	समकालीन राजनीतिक सिद्धांत	4	एम.ए.पी.एस.ई-07	दक्षिण एशिया में शासन एवं राजनीति	4	22 क्रेडिट
	एम.ए.पी.एस.-14	भारत में राजनीतिक प्रक्रियाएँ	4				
	एम.ए.पी.एस.-15	भारत एवं अंन्तर्राष्ट्रीय संबंध	4	एम.ए.पी.एस.ई-08	समसामायिक भारतीय राजनीतिक मुद्दे	2	
	एम.ए.पी.एस.-16	लघु शोध प्रबंध एवं मौखिकी	4				
कुल क्रेडिट	**64 क्रेडिट**			**26 क्रेडिट**			**90 क्रेडिट**

नोट :

- **ऐच्छिक पाठ्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों में से विद्यार्थी अपने इच्छानुसार पाठ्यचर्या का चयन कर सकेंगे।**
- **विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से 18 क्रेडिट तक ऐच्छिक पाठ्यचर्या के चयन की सुविधा होगी।**

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for theCourse

1. पाठ्यचर्या का नाम: प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:

एम.ए.पी.एस.-01

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण:____________________________________

(Description of Course)

यह पाठ्यक्रम छात्रों को प्राचीन एवं मध्यकालीन राजनीतिक चिंतन के विभिन्न विचारों और उन्हे भारतीय चिंतन परंपरा से अवगत करने के साथ साथ राजनीति और राज्य के प्रबंधन पर प्राचीन भारतीय मनीषियों एवं दर्शनिकों द्वारा निर्मित विचारों का निरूपण करता है। यह पाठ्यक्रम उन्हे वेद, रामायण, महाभारत, और पुराण जैसे प्रमुख ग्रन्थों एवं धर्मशास्त्र और अर्थशास्त्र संबंधी विचारों को जानने, समझने व सीखने की दृष्टि प्रदान करेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: ______________________________

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी प्राचीन भारतीय महाकाव्य, धर्मशास्त्र व अर्थशास्त्र के विषयवस्तु एवं राजनीतिक विचारों से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी वेदों, उत्तर वैदिक कालीन ग्रंथ एवं महाकाव्यों (रामायण व महाभारत) में राजा, राजतंत्र, गणतन्त्र व प्रशासनिक नीतियों को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी प्राचीन भारतीय विचारकों मनु, कौटिल्य, शुक्र, कामंदक के राजनीति विचारों को समझा सकेंगे।
- विद्यार्थी जैन एवं बौद्ध धर्म/ साहित्य के राजनीतिक दर्शन की समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी मध्यकालीन भारतीय चिंतकों अगानासुत्त, बरनी व कबीर के राजनीतिक विचारों को जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन के स्रोत एवं विशेषताएँ	**3**	1	1	15	25
	वैदिक युग: राजनीतिक परंपरा का विकास	**3**	**1**	1		
	मनुस्मृति में राजनीतिक विचार	**3**	**1**	1		
मॉड्यूल-2	रामायण (वाल्मीकि) में राजनीति विचार	**3**	**1**	1	15	25
	महाभारत (शान्तिपर्व) में राजनीतिक विचार	**3**	**1**	1		
	कौटिल्य (अर्थशास्त्र) के राजनीतिक विचार	**3**	1	1		
मॉड्यूल-3	शुक्र (नीतिसार) में राजनीतिक विचार	**2**	**1**	1	15	25
	कामन्दक(नीतिसार) में राजनीतिक विचार	**2**	**1**	-		
	जैन धर्म/साहित्यमें राजनीतिक विचार	**2**	**1**	1		
	बौद्ध धर्म/साहित्यमें राजनीतिक विचार	2	**1**	1		
मॉड्यूल-4	अगाना सुत्त के राजनीतिक विचार	3	1	1	15	25
	जियाउद्दीन बरनी के राजनीतिक विचार	3	1	1		
	कबीर का समन्वयवादी विचार	3	1	1		
मॉड्यूल-5						
योग		**45**	**13**	**12**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन के स्रोत एवं विशेषताएँ पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ / संदर्भ-ग्रंथ	1. यादव, शु. ().*भारतीय राज्य: उत्पत्ति एवं विकास.* 2. अग्रवाल,ल., सिंघल,एस.सी. (). *प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन*. आगरा. 3. परमात्माशरण, (). *प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ*. नई दिल्ली:मीनाक्षी प्रकाशन. 4. घोषाल,यू.एस., ओ. पी. यू. (). *प्राचीन भारतीय राजनीतिक संस्थाएँ*. मुंबई. 5. प्रसाद,ओ. (). *कौटिल्य का अर्थशास्त्र*. नई दिल्ली:राजकमल प्रकाशन. 6. वनारसीदास, मो., अल्टेतकर,ए.एस. ().*प्राचीन भारत में राज्य एवं सरकार*. दिल्ली. 7. गुप्ता,एस. (). *भारतीय दर्शन का इतिहास*. जयपुर:राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 8. कमल,के.एल. (). *प्राचीन भारतीय चिंतन*.जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 9. त्यागी,रु. (). *प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन*. दिल्ली विश्वविद्यालय:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 10. शर्मा,सं. (). *मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन*.जयपुर:रावत प्रकाशन, जयपुर। 11. भारतीय राजशास्त्र के प्रणेता – विप्लव, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान। 12. अग्रवाल,डॉ. (). *प्राचीन भारत का राजनीतिक इतिहास*.भोपाल: मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी. 13. चतुर्वेदी, डॉ. म. ().*प्रमुख भारतीय राजनीतिक विचारक*.नई दिल्ली: कॉलेज बुक हाउस.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

ज्ञान शांति मैत्री

1. पाठ्यचर्या का नाम: पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.-02

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पाश्चात्य राजनीतिक विचारकों एवं उनके राजनीतिक विचारों से परिचित कराना है, जिन्होने राजनीति विज्ञान के विचारों और अवधारणाओं को स्वरूप प्रदान किया। 'राज्य' का विकास कैसे हुआ ? यह प्रश्न सभी सभ्यताओं के लिए महत्वपूर्ण रहा है, सभी के जवाब एक जैसे नहीं रहें हैं, सबके विचारों में भिन्नता रही है। पाश्चात्य राजनीतिक विचार की यह कड़ी सोफिस्टों एवं सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तु से होते हुए रूसो जैसे सामाजिक समझौतावादी विचारक के साथ समाप्त होती है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थ पाश्चात्य राजनीतिक चिंतकों, सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तू के राजनीतिक विचारो से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी मध्यकालीन पाश्चात्य विचारकों, टॉमस एक्वीनास को जानेंगे तथा परिषदीय आंदोलन व चर्च-राज्य संबंध को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी पुनर्जागरण, धर्म सुधार के साथ साथ मैकियावेली व जीन बोदा के राजनीतिक विचारो को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी हाब्स, लॉक, रूसो के सामाजिक समझौते सिद्धान्त तथा राजनीतिक विचारों को जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	राजनीतिक चिंतन की यूनानी दृष्टि: सामान्य एवं सैद्धांतिक संकल्पनाएँ	2	-	-	15	25
	सोफिस्ट एवं सुकरात के राजनीतिक विचार	2	-	-		
	प्लेटो के राजनीतिक विचार	4	1	1		
	अरस्तू के राजनीतिक विचार	3	1	1		
मॉड्यूल-2	मध्ययुगीन राजनीतिक चिंतन का परिचय एवं विशेषताएं	2	1	-	15	25
	टामस एक्वीनास के राजनीतिक विचार	2	1	1		
	मार्सिलियो के राजनीतिक विचार	2	1	1		
	परिषदीय आन्दोलन	2	1	1		
मॉड्यूल-3	पुनर्जागरण एवं धर्म सुधार आन्देलन	3	1	1	15	25

	मैकियावेली के राजनीतिक विचार	**3**	**1**	1		
	जीन बोदां के राजनीतिक विचार	**3**	**1**	1		
मॉड्यूल-4	टामस हॉब्स के राजनीतिक विचार	**3**	**1**	1	**15**	25
	जॉन लॉक के राजनीतिक विचार	**3**	**1**	1		
	जीन जैक्स रूसो के राजनीतिक विचार	**3**	**1**	1		
मॉड्यूल-5--						
योग		**37**	**12**	**11**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			मौखिकी (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ /संदर्भ-ग्रंथ	1. झा,ब्र. कि. (). *प्रमुख राजनीतिक चिंतक, Vol-I, II*.पटना:बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी. 2. गाबा, ओम. प्र. ().*पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*.नोएडा:मयूर पेपर बैक्स. 3. कमल, प्रो. के.एल. ().*प्रमुख पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*.जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 4. शर्मा,प्र. ().*पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन*.दिल्ली: कालेज बुक डिपो. 5. वेपर,सी.एल. (). *राजनीतिक दर्शन का स्वाध्याय*.इलाहाबाद :किताब महल. 6. नखाडे,ना., नखाडे,अ. (). प्रमुख राजनीतिक विचारक.दिल्ली : किताब महल. 7. गाबा,ओम. प्र. ().*राजनीतिक विचारक विश्वकोश*.नोएडा : मयुर पेपर बैक्स. 8. मुखर्जी,सु. (). *पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*.दिल्ली विश्वविद्यालय: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 9. पुरोहित,वी.आर. (). *राजनीतिक चिंतन का विकास*.जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी.

		10. वार्कर,सर अ. (). *यूनानी राजनीति सिद्धांत*.दिल्ली विश्वविद्यालय: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 11. सिवली,म. क्यू. (). *राजनीतिक विचार और विचारधाराएँ*.जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 12. फोस्टर,मा. बी. (). *राजनीतिक चिंतक के आचार्य*.दिल्ली विश्वविद्यालय: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय शासन एवं राजनीति

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.-03

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भारतीय शासन एवं राजनीति की प्रमुख विशेषताओं से अवगत कराना है। इस पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों को भारतीय राजनीति के विभिन्न अवयवों के साथ साथ मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य, नीति निदेशक तत्व तथा भारतीय राजनीतिक व्यवस्था के विभिन्न रूपों का अध्ययन कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की प्रमुख विशेषता से परिचित हो सकेंगे तथा भारतीय संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों, व नीति निर्देशक तत्वो के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय संविधान में संघवाद की प्रवृत्तियों के साथ साथ केंद्र व राज्य की कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका की कार्य प्रणाली से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत में दलीय व्यवस्था, चुनाव प्रणाली व मतदान व्यवहार के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय संविधान मे लोकतंत्र, सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्रीय एकीकरण के साथ साथ भारत में व्याप्त धर्म, जाति, लिंग, संप्रदाय, अपराधीकरण जैसी समस्यायों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की मुख्य विशेषतायें : भारतीय राजनीतिक संस्कृति	**2**	**-**	1	**15**	25
	भारतीय संविधान में	**5**	**1**	1		

	मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्य					
	राज्य के नीति निदेशक तत्व	**3**	**1**	1		
मॉड्यूल-2	भारत में संघवाद की उभरती प्रवृत्तियाँ : सशक्त केंद्र परक संरचना	**2**	-	1	**15**	25
	भारतीय शासन व्यवस्था की प्रकृति : कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका	**5**	1	1		
	राज्य व्यवस्थापिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका	**3**	1	1		
मॉड्यूल-3	भारत में दलीय व्यवस्था : राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दल	**3**	**1**	1	**15**	25
	भारत का निर्वाचन आयोग	**3**	**1**	1		
	भारत में मतदान व्यवहार एवं चुनाव सुधार	**3**	**1**	1		
मॉड्यूल-4	भारत में संविधानवाद : लोकतंत्र, सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्रीय एकता, मौलिक संरचना पर बहस	**2**	**1**	1	**15**	25
	भारत में संविधान संशोधन की प्रक्रिया	**2**	**1**	1		
	भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की समस्याएँ: पंथनिरपेक्षता सम्प्रदायिकता,	**5**	**1**	1		

	अपराधीकरण, नक्सलवाद, जातिवाद एवं भ्रष्टाचार की समस्याएँ					
मॉड्यूल-5--						
योग		**38**	**10**	**12**	**60**	**60**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
भारतीय शासन एवं राजनीति पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ /संदर्भ-ग्रंथ	1. सिंह,म. प्र. (). *भारतीय शासन एवं राजनीति*. दिल्ली विश्वविद्यालय: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 2. ग्रोवर,वी. एल. (). *भारत में स्वतंत्रता संग्राम एवं संवैधानिक विकास*. नई दिल्ली: एस. चंद कंपनी. 3. चंद्रा,वि. ().*भारत का स्वाधीनता संघर्ष*. हैदराबाद: ओरियंट ब्लैक स्वान. 4. महाजन, वी. डी. ().*भारत का स्वाधीनता संघर्ष*. दिल्ली विश्वविद्यालय: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 5. यशपाल एवं ग्रोवर, ().*आधुनिक भारत*. नई दिल्ली: एस. चंद कंपनी. 6. सरकार,सु. (). *आधुनिक भारत का इतिहास*. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन. 7. जैन,के. सी. (). *भारत का राष्ट्रीय आंदोलन*. नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 8. सिंह,अ. (). *भारत का मुक्ति संग्राम*. नई दिल्ली: नेहा पब्लिशर्स.

		9. सिंह,एस. (). *भारत की आजादी में क्रांतिकारीयों का योगदान*. नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

ज्ञान शांति मैत्री

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** एम.ए.पी.एस.-04

3. **क्रेडिट:** 4 4. **सेमेस्टर:** प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

यह पाठ्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के प्रमुख सिद्धांतों, प्रक्रियाओं और परिणामों का निरूपण है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं अंन्तर्राष्ट्रीय संबंध के प्रमुख उपागम एवं सिद्धांतों की व्याख्या करता है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांतों के विषय में सोचने एवं समझने के लिए उत्प्रेरक का कार्य करेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अर्थ, प्रकृति व क्षेत्र के बारे में जानेंगे तथा अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांतों के बारे में समझ विकसित करेंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रीय शक्ति के तत्व, उपयोग व सीमाओं के साथ साथ शक्ति संतुलन व सामूहिक सुरक्षा के अभिप्राय को जानेंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रीय हित, विदेश नीति, राजनय तथ अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में विचारधारा को बदलती हुई अवधारणा व राष्ट्र राज्य की चुनौतियों के बारे में समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी युद्ध एवं संघर्ष, शस्त्र नियंत्रण एवं निशस्त्रीकर्ण तथा अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति राज्येत्तर करता की भूमिका के बारे में जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति: अर्थ, परिभाषा प्रकृति एवं क्षेत्र	**2**			**15**	25

	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त:यथार्थवाद एवं नव यथार्थवाद,	**2**		**1**		
	उदरवाद एवं नव-उदरवाद	2		**1**		
	मार्कस्वाद एवं नव-मार्कस्वाद**,**	**2**				
	निकास/व्यवस्था सिद्धान्त	2				
	निर्णय/निर्माण सिद्धान्त	2		1		
मॉड्यूल-2	राष्ट्रीय शक्ति, शक्ति के तत्व, शक्ति का उपयोग और सीमाएं	**3**	**1**	1	**15**	25
	शक्ति सन्तुलन : अर्थ एवं अभिप्राय, तकनीकी एवं प्रासंगिकता	**3**	**1**	1		
	सामूहिक सुरक्षा : अभिप्राय एवं सामूहिक सुरक्षा के विचार का विकास	3	1	1		
मॉड्यूल-3	राष्ट्रीय हित : अर्थ एवं अभिप्राय, निर्माण और उन्नयन	**2**	**1**	1	**15**	25
	विदेश नीति एवं राजनय	**2**	**1**			
	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में विचारधाराकी भूमिका	**2**	**1**	1		
	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में राज्येतर कर्ता की भूमिका	**2**	**1**	1		
मॉड्यूल-4--	युद्ध एवं संघर्ष की प्रकृति, कारण और प्रकार, (पारंपरिक, नाभकीय/जैव रासायनिक)	**3**	**1**	1	**15**	25
	शस्त्र नियन्त्रण एवं	**3**	**1**	1		

	निरस्त्रीकरण,शांति और सहयोग					
	राष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती हुई अवधारणा और राष्ट्र-राज्य व्यवस्था की चुनौतियाँ	3	1	1		
योग		**38**	**10**	**12**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. बिस्वाल,त. (). *अन्तर्राष्ट्रीय संबंध*. हैदराबाद: ओरियंट ब्लैक स्वान. 2. कुमार,अ. (). अन्तर्राष्ट्रीय सिद्धांत.नई दिल्ली: पीयरसन. 3. नंदलाल, एवं कुमार, म. ().*अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत*. आगरा: शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी. 4. मार्गेंथाऊ, हा.जे. ().*राष्ट्र के मध्य राजनीति*.पंचकुला: हरियाणा साहित्यअकादमी. 5. फाडिया,बी. एल. (). *अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन. 6. घई,यू. आर. (). *अंतर्राष्ट्रीय राजनीति*. जालंधर: न्यू एकेडमिक पब्लिसिंग कंपनी.

		7. खन्ना,वी. एल. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय संबंध* नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग. 8. पाल,एस. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय संबंध*.नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 9. प्रसाद,वी. एल. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति*. नई दिल्ली: विश्वविद्यालय पब्लिकेशन. 10. यादव,डॉ. डी. एस. (). *अंतराष्ट्रीय राजनीतिक संबंध*.नई दिल्ली: रजत पब्लिकेशन्स.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

ज्ञान शांति मैत्री

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारत में स्वतंत्रता संग्राम एवं संवैधानिक विकास

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.ई.-01

3. क्रेडिट: **44. सेमेस्टर:** प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण:____
(Description of Course)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के समय की परिस्थितियों एवं कारणों से अवगत कराना है। इसके साथ ही साथ छात्रों को उपनिवेशवाद की समस्याओं, भारत में राष्ट्रवाद का उदय तथा प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जानने व समझने में मदद मिलेगी। इस पाठ्यक्रम से छात्र स्वतंत्रता आंदोलन के समय भारत की विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं, राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों तथा साथ ही भारत विभाजन की वैचारिकी और परिस्थितियों से अवगत हो सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: ____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी भारत में यूरोपीय कंपनियों के आगमन तथा ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन व्यवस्था के रूप रेखा को समझ सकेंगे, तथा भारत में प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम 1857 की क्रांति व भारत में ब्रिटिश राज्य व्यवस्था की पृष्ठभूमि का अवलोकन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी ब्रिटिश राज्य में 1858 से 1935 के भारत शासन अधिनियम के संवैधानिक विकास के चरणों को जन सकेंगे तथा भारत के कृप्स मिशन, वावेल योजना, माउण्टबेटन योजना, भारत विभाजन तथा भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम-1947 के चरणबद्ध प्रक्रियाओं को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत में राष्ट्रीय आंदोलन, भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना एवं स्वतन्त्रता संघर्ष में महात्मा गांधी की भूमिका एवं उनके द्वारा चलाये गए आंदोलन के बारे में जान सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत छोड़ो आंदोलन तथा अन्य क्रांतिकारी आंदोलन के साथ साथ दो राष्ट्र सिद्धान्त एवं भारत विभाजन के बारे में अपनी समझ विकसित करेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	भारत में यूरोपीय	**2**	**1**	1	**15**	25

	कम्पनियाँ और कम्पनी शासन का ऐतिहासिक सन्दर्भ					
	ईस्ट इण्डिया कम्पनी का सुदृढ़ीकरण (द्वैधशासन, रेगुलेटिंग ऐक्ट, पिट्स इण्डिया ऐक्ट, चार्टर एक्ट) एवं भारतीय सामाजिक जीवन, शिक्षा, संस्कृति और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव	**4**	**1**	1		
	1857 का प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम तथा उसकी पृष्ठभूमि एवं परिणाम	**3**	**1**	1		
मॉड्यूल-2	सन् 1858 से 1909 तक संवैधानिक विकास	**2**			**15**	25
	मार्ले-मिन्टो सुधार और भारतीय परिषद अधिनियम-1909,	**2**				
	मोंटेग्यू –चेम्सफोर्ड सुधार और भारतीय शासन अधिनियम-1919	**2**				
	भारतीय शासन अधिनियम-1935,,	**2**		1		
	द्वितीय विश्वयुद्ध और संवैधानिक गतिरोध, क्रिप्स मिशन, बेवल योजना,	2		1		
	माउन्ट बेटन योजना औरभारत का विभाजन, भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947	**2**		1		
मॉड्यूल-3	भारत में राष्ट्रीय आंदोलन का उदय	**2**		1	**12**	20
	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना (1885),	**2**		1		

	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन : उदारवादी पक्ष – 1885-1905, उग्रवादी पक्ष – 1906-1918	2		1		
	प्रथम विश्वयुद्ध एवं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन	**2**		1		
मॉड्यूल-5--	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गांधी का प्रवेश, असहयोग आन्दोलन एवं सविनय अवज्ञा आन्दोलन, भारत-छोड़ो आन्दोलन	**5**	**1**	1	**20**	30
	आजाद हिंद फौज एवं अन्य क्रान्तिकारी आन्दोलन,वामपंथी एवं अन्य आन्दोलन	**4**	**1**	1		
	साम्प्रदायिकता, द्वि-राष्ट्र सिद्धान्त और पाकिस्तान आन्दोलन, भारत का विभाजन और स्वतंत्रता	**3**	**1**	1		
योग		**41**	**6**	**13**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
भारत में स्वतंत्रता संग्राम एवं संवैधानिक विकास पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. सिंह,म. प्र. (). *भारतीय शासन एवं राजनीति*. दिल्ली विश्वविद्यालय:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 2. ग्रोवर, वी. एल. (). *भारत में स्वतंत्रता संग्राम एवं संवैधानिक विकास*. नई दिल्ली: एस. चंद कंपनी. 3. चंद्रा,वि. (). *भारत का स्वाधीनता संघर्ष*. हैदराबाद: ओरियंट ब्लैक स्वान. 4. महाजन, वी. डी. ().*भारत का स्वाधीनता संघर्ष*. दिल्ली विश्वविद्यालय: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 5. यशपाल एवं ग्रोवर, ().*आधुनिक भारत*. नई दिल्ली: एस. चंद कंपनी. 6. सरकार,सु. (). *आधुनिक भारत का इतिहास*. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन. 7. जैन,के. सी. (). *भारत का राष्ट्रीय आंदोलन*. नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 8. सिंह, अ. (). *भारत का मुक्ति संग्राम*. नई दिल्ली: नेहा पब्लिशर्स. 9. सिंह,एस. (). *भारत की आजादी में क्रांतिकारीयों का योगदान*. नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

1. पाठ्यचर्या का नाम: प्राचीन भारत की राजनीतिक एवं प्रशासनिक संस्थाएं

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.ई. - 02

3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर:** प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

यह पाठ्यक्रम छात्रों में प्राचीन भारत की राजनीतिक संस्थाओं की समझ को विकसित करेगा जैसे - सभा, समिति व शासन के संचालन में राज्य, राजा व सेना के प्रमुख कार्य एवं कर्तव्य इत्यादि । इसके अतिरिक्त राज्य के सिद्धांतों, अर्थव्यवस्था, न्यायव्यवस्था, नियंत्रण नीति, युद्ध नीति, मत्सन्याय, आपदधर्म, ग्रामीण एवं राज्य व समाज तथा स्थानीय स्वशासन के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी प्राचीन भारत की प्रशासनिक व राजनीतिक संस्थाओं के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी प्राचीन भारतीय राज्य, राजा, उत्तराधिकार के नियमों, आमात्य एवं मंत्रिपरिषद के कार्यों के साथ साथ राज्य के दैवीय एवं सप्तांग सिद्धांतों के बारे में जन सकेंगे।
- विद्यार्थी प्राचीन भारत के कंटकशोधन नीति, कर नीति, दंड नीति एवं दूतों के बारे मे समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी प्राचीन भारतीय के सिद्धांतों जैसे मत्सन्याय, आपदधर्म, ग्रामीण एवं राज्य व समाज के बारे में जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	सभा एवं समिति	**2**			**6**	20
	विदथ, संसद, सेना	**3**		1		
मॉड्यूल-2	राज्य, राजा, उत्तराधिकारी, राज्याभिषेक	**2**			**9**	30
	कार्यपालिका, अमात्य एवं मंत्री परिषद	**3**		1		

	राज्य का सप्तांग सिद्धान्त	2				
	षाड्गुण्य नीति	1				
मॉड्यूल-3	अर्थव्यवस्था, न्यायव्यवस्था, दण्ड विधान, कंटकशोधन	4	1	1	6	20
मॉड्यूल-4	गुप्तचर, दूत	2			9	30
	मत्स्यन्याय, आपद धर्म	2				
	सैनिक संगठन, युद्ध एवं शांति	3				
	स्थानीय स्वशासन	2				
योग		**26**	**1**	**3**	**30**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
4. प्राचीन भारत की राजनीतिक एवं प्रशासनिक संस्थाएं पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ संदर्भ-ग्रंथ	1. सिंघल,एस.सी., अग्रवाल,ल. (). *प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन*. आगरा. 2. परमात्माशरण.(). *प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ*.नई दिल्ली: मीनाक्षी प्रकाशन. 3. घोषाल, यू.एस. (). *प्राचीन भारतीय राजनीतिक संस्थाएँ*. मुंबई। 4. प्रसाद,ओ. (). *कौटिल्य का अर्थशास्त्र*.नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. अल्टेतकर,ए.एस. (). *प्राचीन भारत में राज्य एवं सरकार*.दिल्ली: मोतीलाल वनारसीदास.

		6. गुप्ता, एस.एन. ().*भारतीयदर्शन का इतिहास*.जयपुर:राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 7. कमल,के.एल. (). *प्राचीन भारतीय चिंतन*.जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 8. त्यागी,रु. (). *प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन*.दिल्ली विश्वविद्यालय: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 9. शर्मा, सं. ().*मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन*.जयपुर: रावत प्रकाशन. 10. विप्लव. ().*भारतीय राजशास्त्र के प्रणेता*.उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान. 11. अग्रवाल,डॉ. क. (). *प्राचीन भारत का राजनीतिक इतिहास*.भोपाल: मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी. 12. चतुर्वेदी,डॉ. म. (). *प्रमुख भारतीय राजनीतिक विचारक*.नई दिल्ली: कॉलेज बुक हाउस. 13. जैसवाल, के. सी. ().*हिन्दू राजतन्त्र*. वाराणसी : विश्वविद्यालयप्रकाशन. 14. वर्मा, डॉ. वी. पी. ().*वैदिक राजनीतिशास्त्र*. पटना:बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 15. दिवेदी, डॉ. क. ().*वेदों में राजनीतिशास्त्र*. भदोही: विश्वभारती अनुसंधान परिषद. 16. मेहता, बी. आर. ().*भारतीय राजनीतिक चिंतन के आधार*. नई दिल्ली: मनोहर पुब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स. 17. बंधोपाध्याय, एन.सी. ().*हिन्दू पोलिटी एण्ड पॉलिटिकल थियोरी*.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

ज्ञान शांति मैत्री

1. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.-05

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:** द्वतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:____

(Description of Course)

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन को समझ सकेंगे। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन की मुख्य विशेषताओं से अवगत करना है। इस पाठ्यचर्या में छात्र विवेकानन्द, दयानन्द, तिलक, घोष, एम.एम. राय, गांधीजी, सवारकर, पेरियार, ज्योतिबा फुले, अम्बेडकर, नेहरु, लोहिया, जयप्रकाश नारायण, दीनदयाल जी, विनोवा भावे और रमावाई के विचारों का अध्ययन कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: ____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन का सीधा और सकारात्मक प्रभाव विद्यार्थी के मानस पटल पर पड़ता है जिससे वह अपने जीवन व व्यक्तित्व में रचनात्मकता और सृजनशीलता ला सकेगा।
- आधुनिक समाज सुधारकों तथा राजनीतिक चिंतकों की सोच और कृतियों का अध्ययन कर के विद्यार्थी समाज में व्याप्त कुरीतियों और उसे समाप्त करने की समझ विकसित हो सकेगी।
- आधुनिक समाज सुधारकों एवं राजनीतिक चिंतकों के विचारों को समझ कर विद्यार्थी वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक परिवेश और परिदृश्य में व्यापक बदलाव ला सकते हैं क्योंकि वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक स्वरूप पर पूर्व की स्थितियों का सीधा प्रभाव पड़ता है।
- इस पाठ्यचर्या में प्रमुख आधुनिक भारतीय राजनीतिक-सामाजिक चिन्तकों के विचारों को सम्मिलित किया गया है। यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों में आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारों का सचार करने में सफल हो सकेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	स्वामी विवेकानन्द,	**3**		1	**15**	25
	स्वामी दयानन्द सरस्वती	**3**		1		
	बाल गंगाधर तिलक	**3**				

	अरविंद घोष	**2**		1		
मॉड्यूल-2	एम. एन. रॉय	**2**		1	**15**	25
	महात्मा गांधी	**5**				
	वी. डी. सावरकर	**2**				
	पेरियार	**2**				
	ज्योतिबा फुले	**2**				
	डॉ. बी. आर. आंबेडकर	**3**				
मॉड्यूल-3	जवाहरलाल नेहरू	**3**			**15**	25
	राम मनोहर लोहिया	**3**				
	जय प्रकाश नारायण	**2**				
मॉड्यूल-4--	पं. दीन दयाल उपाध्याय	**5**			**15**	25
	विनोबा भावे	**3**				
	पंडिता रमाबाई	**3**				
योग		**46**		**14**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, इत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
4. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			मौखिकी (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ /संदर्भ-ग्रंथ	1. पुरोहित,डॉ. बी. आर. (). *आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक*.जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 2. अग्रवाल,ल., वर्मा,डॉ. वी. पी. ().*आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक*.आगरा. 3. अग्रवाल,ल., अवस्थी,डॉ. ए. पी. (). *भारतीय राजनीतिक विचारक*.आगरा. 4. कुमार, अ., अली, इ. ().*भारतीय राजनीतिक चिंतन संकल्पाएँ एवं विचारक*.नई दिल्ली: पियरसन. 5. त्यागी,रु. (). *भारतीय राजनीतिक चिंतन प्रमुख अवधारणाएँ एवं चिंतक*.दिल्ली विश्वविद्यालय: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय.

		6. कुमार,अ.(सं.) (). *भारतीय राजनीतिक चिंतन संकल्पनाए एवं विचारक*.दिल्ली: पियरसन. 7. कमल,प्रो. के.एल. (). *भारतीय राजनीतिक चिंतन*.जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 8. चक्रवर्ती, वि., पाण्डेय,रा. ().*आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन*.नई दिल्ली: सेज प्रकाशन. 9. सिंह,एम. (). *आधुनिक भारत के राजनीतिक विचारक एवं विचारधाराएँ*.नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 10. शर्मा,वी. (). *आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारधाराएँ*.नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 11. प्रसाद,यू. ().*भारत में मतदान व्यवहार के बदलते आयाम : वर्तमान परिप्रेक्ष्य*.नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 12. नेमा,जी.पी. (). *भारतीय राजनीतिक विचारक*.नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 13. अग्रवाल,ल., वर्मा, डॉ. वी.पी. ().*आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन*.आगरा
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

ज्ञान शांति मैत्री

1. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.-06

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:** द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन के विकास को समझने में सहायता मिलेगी एवं सामाजिक व राजनीतिक परिस्थितियाँ किस प्रकार राजनीतिक चिंतन को पनपने में सहयोग करती हैं, का ज्ञान प्रदान होगा। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से वर्तमान राजनीतिक चिंतन को समझने में भी सहायता मिलेगी तथा वर्तमान राजनीतिक संस्थाओं की स्थापना में इसके योगदान को जान सकेंगे। इस पाठ्चर्या में मुख्यत वेद, मिल, स्पेंसर, ही मेल, भीन, मार्क्स, लेलिन, गांधी, राल्स, नॉजिक, इन्ना ओरंट, फांज फेनान और माकों जेदोंग के राजनीतिक विचार समिल्लित हैं।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- आधुनिक पाश्चात्य चिंतन के अंतर्गत विद्यार्थी राजनीति, स्वतन्त्रता, न्याय, संपत्ति, अधिकार, कानून तथा सत्ता द्वारा कानून को लागू करने आदि विषयों से संबन्धित प्रश्नो की समझ विकसति कर सकेंगे।
- कौन सी वस्तु सरकार को वैध बनती है, किन अधिकारों और स्वतंत्रताओं की रक्षा करना सरकार का कर्तव्य है, विधि क्या है, किसी वैध सरकार के प्रति नागरिकों के क्या कर्तव्य हैं, आदि विषयों की समझ विससित कर सकेंगे।
- राजनीतिक चिंतन किसी पूरे युग का अंतर्वर्ती दर्शन होता है, जिसके द्वारा इतिहास की व्याख्या करने और भविष्य की संभाविक घटनाओं के बारे में पूर्वानुमान लगाने का प्रयत्न किया जाता है। इससे विद्यार्थी मे विचारशीलता का विकास होगा और वे राजनीतिक चिन्तन के अन्तर्वर्ती दर्शन की समझ विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	जेरेमी बेन्थम का राजनीतिक विचार	**3**		1	**15**	25
	जॉन स्टुअर्ट मिल का	**3**	1	1		

	राजनीतिक विचार					
	हरबर्ट स्पेंसर का राजनीतिक विचार	**3**	**1**			
मॉड्यूल-2	फ्रेडरिक हीगेल का राजनीतिक विचार	**3**	**1**		**12**	25
	मेरी वोल्टस्टोनक्राफ्ट का राजनीतिक विचार	**3**	**1**			
	टी.एच. ग्रीन का राजनीतिक विचार	**3**	**1**			
मॉड्यूल-3	कार्ल मार्क्स का राजनीतिक विचार	**4**			**12**	25
	लेनिन का राजनीतिक विचार	**2**				
	ग्राम्शी का रा. विचार हन्नाअरेंट राजनीतिक विचार	**3**				
मॉड्यूल-4	जॉन राल्स का राजनीतिक विचार	**5**			**12**	25
	रॉबर्ट नॉजिक का राजनीतिक विचार	**5**				
	हन्ना आरेंट का राजनीतिक विचार	**3**	**1**			
	फ्रॉज फेनान का राजनीतिक विचार	**3**				
	माओ ज़ेदोंग का राजनीतिक विचार	**3**				
योग		**42**	**6**	**12**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादानः (Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
4. आधुनिक पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ /संदर्भ-ग्रंथ	1. झा,ब्र. कि. (). *प्रमुख राजनीतिक चिंतक Vol-I, II*.पटना : बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी. 2. गाबा, ओ. प्र. (). *पाश्चात्य राजनीति विचारक*.नोएडा: मयूर पेपर बैक्स. 3. कमल,प्रो. के.एल. (). *प्रमुख पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*.जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 4. लास्की,एच.जे. ().*राजनीतिक व्याकरण*.जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 5. शर्मा,प्र. (). *पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन*.दिल्ली: कालेज बुक डिपो. 6. शर्मा,प्र. (). *अर्वाचीन राजनीतिक चिंतन मार्क्स से अब तक*.दिल्ली: कालेज बुक डिपो. 7. वेपर,सी.एल. (). *राजनीतिक दर्शन का स्वाध्याय*.इलाहाबाद: किताब महल. 8. सेबाइन. ().*पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास*.नई दिल्ली: एस चन्द एण्ड कंपनी. 9. नखाडे,अ., नखाडे,ना. (). *प्रमुख राजनीतिक विचारक*.दिल्ली:किताब महल. 10. गाबा,ओ. प्र. (). *राजनीतिक विचारक विश्वकोश*.नोएडा: मयूर पेपर बैक्स. 11. मुखर्जी,सु. (). *पाश्चात्यक राजनीतिक विचारक*.दिल्ली विश्वविद्यालय: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 12. पुरोहित,वी.आर. (). *राजनीतिक चिंतन का विकास*.जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** एम.ए.पी.एस.-07

3. **क्रेडिट:** 4 **4. सेमेस्टर:** द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अब तक के सात दशकों में राष्ट्रों को इस बात का भली भांति एहसास हो गया है कि युद्ध से विध्वंश ही हो सकता है, किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं। अब राष्ट्र परस्पर जुड़ कर विकास कि यात्रा तय करना चाहते हैं। इस सोच में अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति या राष्ट्रों के मध्य राजनीति कुछ ज्यादा सक्रिय और ज्यादा जीवंत हो गई है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अध्येयता को अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का सामान्य परिचय देना है। इसके उध्ययन के पश्चात छात्र अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की यव्याव्येता से परिचित हो सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- द्वितीय विश्व युद्ध ने न केवल अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति को मूलभूत रूप में प्रभावित किया अपितु कई महत्वपूर्ण मुद्दों की अभिव्यक्ति भी की, अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के कारकों मे परिवर्तन, उन कारकों को व्यापक स्वरूप प्रदान करना, नवीन सिद्धांतो का प्रतिपादन आदि अनेक विषयों के अतिरिक्त अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का पूर्ण परिवेश ही बादल कर रख दिया। इस पाठ्चर्या के अध्ययन से विद्यार्थी द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद भी अंन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी द्वितीय विश्वयुद्धोतर अंन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियों का विशिष्ट, तार्किक तथा वैज्ञानिक दृष्टि से अवलोकन कर अंन्तर्राष्ट्रीय संबंधो की वास्तविकता को समझ सकेंगे।
- द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात वदलते अंन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य को उसके ऐतिहासिक, राजनीतिक एवं वैज्ञानिक विकास को वर्तमान अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक संदर्भों के साथ जोड़ कर देखने का प्रयास कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अंन्तर्राष्ट्रीय प्रवृत्तियाँ	**3**		1	15	25
	शीतयुद्ध : उत्पत्ति, विकास एवं विश्व राजनीति पर प्रभाव	**3**		1		
	तनाव शैथिल्य, नया शीत युद्ध एवं शीतयुद्ध का अंत	**3**		1		
	सोवियत संघ का विघटन एवं एकल ध्रुवीय विश्व की अवधारणा	**3**				
मॉड्यूल-2	तृतीय विश्व की अवधारणा,	**3**	1	1	15	25
	गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रकृति, विकास एवं भारत की भूमिका	4	1	1		
	गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता एवं गुटनिरपेक्ष आंदोलन -2 की अवधारणा का विकास	**3**	1			
मॉड्यूल-3	नयी अंन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की अवधारणा	**3**	**1**	1	**15**	25
	उत्तर-दक्षिण संवाद और दक्षिण-दक्षिण सहयोग	**3**	**1**	1		
	विश्व व्यापार संगठन	**3**	**1**	1		
मॉड्यूल-4	नयी विश्व व्यवस्था : अर्थ, परिभाषा, प्रकृति एवं विशेषताएँ	**2**	**-**	1	**15**	25

	वैश्वीकरण एवं अल्पविकसित देशों की समस्याएँ	**2**	**-**	1		
	वैश्वीकरण के युग में राष्ट्र- राज्य की बदलती हुई भूमिका	**2**	**-**	1	**15**	25
	परमाणु युग : सुरक्षा की समस्या, निशस्त्रीकरण एवं चुनौतियाँ	**2**	**-**	1		
	ऊर्जा संकट, जल संकट, पर्यावरण संकट,साइबर संकट, आतंकवाद एवं मानवीय सुरक्षा के समक्ष उत्पन्न संकट	**4**	**-**	1		
योग		**41**	**05**	**14**	**60**	

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

\# विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य /संदर्भ-ग्रंथ	1. कुमार,अ. (). *अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत.*नई दिल्ली:पीयरसन. 2. कुमार, म. (). *अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत*. आगरा: शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी. 3. खन्ना,वी.एन. (). *अंतर्राष्ट्रीय संबंध*. नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग हाउस. 4. फाडिया, वी.एल. (). *अंतर्राष्ट्रीय राजनीति (सिद्धांत एवं व्यवहार)*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन्स.

		5. घई,यू.आर. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति*. जालंधर: न्यू एकेडेमिक पब्लिशिंग हाऊस. 6. पाल, एस. ().*अंन्तर्राष्ट्रीय संबंध*. नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 7. प्रसाद,बी.एल. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति*. नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 8. पंत,पु. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय संबंध* नई दिल्ली: टी.एम.एच.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

ज्ञान शांति मैत्री

1. पाठ्यचर्या का नाम: अंन्तर्राष्ट्रीय संगठन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.-08
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:** द्वितीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या में अंन्तर्राष्ट्रीय संगठन का अर्थ,प्रकृति, क्षेत्र तथा विकास कि संभावनाओं को सम्मिलित किया गया है। राष्ट्र संघ एवं संयुक्त राष्ट्र की उत्पत्ति, उद्देश्य, सिद्धान्त, कार्यों का विश्लेषण किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा, सुरक्षा परिषद, आर्थिक व सामाजिक परिषद, न्याय परिषद, सचिवालय एव अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के गठन, स्वरूप, उद्देश्य व कार्यों कि विवेचना कर सकेंगे। संयुक्त राष्ट्र के विशेष अभिकरणों– युनेस्को, अंन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, यूनिसेफ, विश्व स्वस्थ्य संगठन, के कार्यों व उपलब्धियों से अवगत हो सकेंगे। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विश्व में स्थायी रूप से विश्व में शांति की स्थापना हेतु संयुक्तराष्ट्र की भुमिका तथा उसमें आवश्यक सुधार की समझ विससित होगी।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- इसके अंतर्गत बहुराज्य व्यवस्था में राज्यों की पारंपरिक सम्बन्धों के नियमन के विषय में अध्ययन कर सकेंगे।
- अंन्तर्राष्ट्रीय अन्योन्याश्रिता से उत्पन्न समस्याओं के निराकरण हेतु अंन्तर्राष्ट्रीय संगठन की उपादेयता के विषय में जान सकेंगे।
- वर्तमान में वैश्विक सम्बन्धों के संचालन मे अंन्तर्राष्ट्रीय संगठनो की बढ़ती भूमिका तथा उसके महत्व को जान सकेंगे एवं वैश्विक शांति स्थापना में अंन्तर्राष्ट्रीय संगठनों की क्या भूमिका को समझ सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	अन्तर्राष्ट्रीय संगठन : अर्थ, प्रकृति अभ्युदय एवं विकास	**2**			**12**	20
	राष्ट्र संघ की स्थापना : उद्देश्य, एवं सिद्धान्त	**2**		1		
	राष्ट्र संघ के प्रमुख अंग एवं उनके कार्य	**4**		1		
	राष्ट्र संघ की विफलता के कारण	**2**				
मॉड्यूल-2	संयुक्त राष्ट्र की स्थापना, उद्देश्य एवं सिद्धान्त तथा चार्टर में संशोधन	**3**			**18**	30
	महासभा	**2**		1		
	सुरक्षापरिषद	2		1		
	आर्थिक एवं सामाजिक परिषद	**2**		1		
	अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय	2		1		
	सचिवालय	**2**				
	न्यास परिषद	2				
मॉड्यूल-3	विश्व मजदूर संघ	**2**		1	**18**	30
	अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन	2				
	यूनेस्को एवं यूनिसेफ	**3**		1		
	विश्व स्वास्थ्य संगठन	**2**		1		
	विश्व व्यापार संगठन	2				

	अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष	**2**				
	विश्व बैंक	2				
मॉड्यूल-4--	क्षेत्रीय संगठन-स्वरूप एवं आवश्यकता	**2**		1	**12**	20
	प्रमुख क्षेत्रीय संगठन विशेषत: सार्क, आसियान,ओपेकएवं ओ.ए.एस.	**5**		1		
	विश्व शांति में अन्तर्राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय संगठनों की भूमिका	**2**		1		
योग		**49**	**-**	**11**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
अंन्तर्राष्ट्रीय संगठन पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			मौखिकी (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य / संदर्भ-ग्रंथ	1. भसीन,अ. (). *अन्तर्राष्ट्रीय संगठन*. नई दिल्ली: प्रभात प्रकाशन. 2. फडिया,बी. एल. (). *अन्तर्राष्ट्रीय संगठन*.आगरा:साहित्य भवन पब्लिकेशन. 3. पंत,पु. (). *अन्तर्राष्ट्रीय संबंध*. नई दिल्ली: टी.एम.एच. 4. घई,यू.आर. (). *अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति*. जालंधर: न्यू एकेडेमिक पब्लिशिंग हाऊस. 5. गौतम, डॉ. ().*अन्तर्राष्ट्रीय संगठन*.नई दिल्ली: वीर इंडियन बुक्स कंपनी. 6. आशुतोष,डॉ. कु. (). *अन्तर्राष्ट्रीय संगठन एवं संस्थाएँ*.नई दिल्ली:प्रभात पब्लिकेशन. 7. वर्मा,वि. कु. (). *संयुक्त राष्ट्र एवं वैश्विक संघर्ष*.हैदराबाद:ओरिएन्ट ब्लैक स्वान. 8. तिवारी,र. (). *अन्तर्राष्ट्रीय संगठन*.वाराणसी:विश्वविद्यालय प्रकाशन.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: समसामयिक अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दे

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.ई- 03

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:** द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

वर्तमान आधुनिक परिवेश में राजनीति का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। राजनीति मानव सभ्यता के सामाजिकशासन का उत्तर परिणाम है।अतः वैश्वीकरण की ऐतिहासिक तथा भौगोलिक प्रक्रिया, पर्यावरण और पारिस्थितिकी का दृष्टिकोण, आतंकवाद का साक्षेप विषय, सामाजिक लिंग-विभेद और महिला-विकास, उत्तर-दक्षिण विभेद की ऐतिहासिक-आधुनिक स्थिति, शीत-युद्धांकाल के उदय तथा अंत की समीक्षा, नागरिक समाज का उदय, नई विश्व-व्यवस्था में मानवाधिकार का पुनरागमन और स्थिति तथा शासन के बदलते आयाम जैसे सभी विषयों पर इस पाठ्यक्रम द्वारा अध्येता के दृष्टिबोध को समृद्ध करने का प्रयास किया गया है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के समसामयिक मुद्दे जैसे आतंकवाद, नृजातीय संघर्ष एवं पहचान का संकट के बारे अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में प्रवासन, शरणार्थी, गरीबी तथा विकास के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी वैश्विक विचारधाराओं और उसके प्रभाव के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय चिंताओं को समझ सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	उदारीकरण / भूमण्डलीकरण/वैश्वीकरण	**4**	**1**	1	**18**	30
	मानवाधिकार एवं मानव विकास	**4**	**1**	1		
	जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय चिंताएँ	**4**	**1**			
मॉड्यूल-2	आतंकवाद	**4**	1	1	**12**	20
	नारीवाद	**4**	1	1		
मॉड्यूल-3	संयुक्त राष्ट्र : लोकतंत्रीकरण एवं अन्य चुनौतियाँ	**4**	**1**	1	**15**	25
	नृजातीय संघर्ष : सोमालिया, लीबिया, कश्मीर, दक्षिण चीन सागर	**7**	**1**	1		
मॉड्यूल-4	प्रवासन तथा शरणार्थी, गरीबी तथा विकास	**4**		1	**15**	25
	धर्म, संस्कृति तथा पहचान का संकट	**4**		1		
	एकपक्षवाद बनाम बहुपक्षवाद	**4**		1		
मॉड्यूल-5--						25
योग		**43**	**7**	**10**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
समसामयिक अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दे पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य / संदर्भ-ग्रंथ	1. बाजपेयी,अ. (). *समकालीन विश्व एवं भारत-प्रमुख मुद्दे और चुनौतियाँ*नई दिल्ली:पीयरसन. 2. कावरा,क. (). *भूमंडलीकरण के भँवर में भारत*.नई दिल्ली:प्रकाशन संस्थान. 3. राजन, एम. एस. ().*गुटनिरपेक्ष आंदोलन-समस्यायें और सम्भावनायें*. 4. त्रिपाठी,डॉ. एस.के. (). *गुटनिरपेक्ष आंदोलन और जवाहर लाल नेहरू*.नई दिल्ली:कनिष्क प्रकाशन. 5. पंत,पु. (). *अन्तर्राष्ट्रीय संबंध*. नई दिल्ली: टी.एम.एच. 6. फडिया,बी. एल. (). *अन्तरष्ट्रीय संगठन*.आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन. 7. शिरीष, नी. ().*संयुक्त राष्ट्र: सैद्धांतिक और व्यवहारिक पक्ष*. 8. खन्ना,बी. एन. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय संबंध*. विकास पब्लिशिंग हाऊस.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम: संयुक्तराष्ट्र**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **एम.ए.पी.एस.ई- 04**

3. **क्रेडिट:** **2** **4. सेमेस्टर:** द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के पश्चात छात्र भारत में विकास और संस्था निर्माण में सम्मिलित अंन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों कि पहचान कर सकेंगे। नीति निर्माण में अंन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों कि भूमिका कि व्यख्या कर सकेंगे और भारत में सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों में अंन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों कि भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात अंन्तर्राष्ट्रीय शांति की स्थापना में संयुक्त राष्ट्र संघ की महत्वपूर्ण भूमिका को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी संयुक्त राष्ट्र संघ ने किस तरह से समस्त विश्व को एक विश्व- व्यवस्था के अंतर्गत समाहित कर के कार्य करने के लिए प्रेरित किया है, उसे समझ कर वर्तमान अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक परिस्थितियों को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी वर्तमान में जब वैश्विक स्तर पर नित - नूतन विध्वंशक हातियारों का आविस्कार, सशक्तिकरण की होड़ एवं युद्ध की स्थिति बनी हुई है उस परिस्थिति मे संयुक्त राष्ट्र अंन्तर्राष्ट्रीय जगत को वैश्विक शांति की ओर ले जाने के लिए किस प्रकार कार्य कर रहा है, इसे समझ सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	संयुक्तराष्ट्र की स्थापना	2			6	20
	संयुक्तराष्ट्र का चार्टर, उद्देश्य एवं सिद्धान्त	2				
	संयुक्तराष्ट्र चार्टर में	2				

	संशोधन					
मॉड्यूल-2	संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता	2			6	20
	महासभा,सुरक्षा परिषद	2				
	आर्थिक एवं सामाजिक परिषद	2				
मॉड्यूल-3	अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय	2			6	20
	सचिवालय	2				
	न्यास परिषद	2				
मॉड्यूल-4	विशिष्ट अभिकरण	2			6	20
	संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार	2				
	संयुक्त राष्ट्र : वित्तीय प्रबंधन एवं चार्टर में संशोधन की समस्या एवं समाधान	2				
मॉड्यूल-5--	संयुक्त राष्ट्र : शक्ति संघर्ष एवं राजनीति और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान	2			6	25
	संयुक्त राष्ट्र : लोकतन्त्रीकरण और भारत की भूमिका	2				
	संयुक्त राष्ट्र : उपलब्धियाँ एवं आलोचनात्मक मूल्यांकन	2				
योग		**30**			**30**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम

विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
4. संयुक्त राष्ट्र पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य / संदर्भ-ग्रंथ	1. पंत,पु. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय संबंध* नई दिल्ली: टी.एम.एच. 2. फडिया,बी. एल. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय संगठन*.आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन. 3. घई,यू.आर. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति*. जालंधर: न्यू एकेडेमिक पब्लिशिंग हाऊस. 4. भसीन,अ. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय संगठन*. नई दिल्ली: प्रभात प्रकाशन. 5. गौतम, डॉ. ().*अंन्तर्राष्ट्रीय संगठन*.नई दिल्ली: वीर इंडियन बुक्स कंपनी. 6. आशुतोष,डॉ. कु. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय संगठन एवं संस्थाएँ*.नई दिल्ली: प्रभात पब्लिकेशन. 7. वर्मा,वि. कु. (). *संयुक्तराष्ट्र एवं वैश्विक संघर्ष*.हैदराबाद: ओरिएन्ट ब्लैक स्वान. 8. तिवारी,र. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय संगठन*.वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: लोकप्रशासन

2. पाठ्यचर्या का कोड: **एम.ए.पी.एस.-09**

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:** तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:____

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या में लोक प्रशासन के अर्थ, प्रकृति, अध्ययन क्षेत्र, विकास एवं प्रमुख सिंद्धातों को सम्मिलित किया गया है। इस पाठ्चर्या का उद्देश्य लोकप्रशासन की प्रकृति को स्पष्ट करना तथा राजनीति विज्ञान में लोकप्रशासन के महत्व पर प्रकाश डालना है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी लोक प्रशासन के कार्यविधि को समझ सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: __________________________________

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी लोक प्रशासन के अर्थ, प्रकृति व क्षेत्र के विभिन्न दृष्टिकोणों के प्रति समझ विकसित कर सकेंगे तथा लोक प्रशासन, निजी प्रशासन, विकास प्रशासन एवं नवीन लोक प्रशासन के विभिन्न दृष्टिकोणों की समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी लोक प्रशासन के विभिन्न सिद्धांतों के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी लोक प्रशासन में संचार व्यवस्था, संगठन प्रबंधन् सार्वजनिक नियमों तथा उद्देश्य आधारित प्रबंधनों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी लोक प्रशासन के अंतर्गत कार्मिक प्रशासन, नौकरशाही एवं वित्तीय प्रशासन के सिद्धांतों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/ सेमिनार**(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	लोक प्रशासन:- अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र,प्रकृति एवं महत्व तथा पाश्चात्य एवं प्राच्य दृष्टिकोण	**2**			**12**	20

	एक अनुशासन के रुप मे लोक प्रशासन का विकास	2				
	लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन	**2**				
	नवीन लोक प्रशासन : मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ	**2**		1		
	विकास प्रशासन, उदारीकरण का लोक प्रशासन पर प्रभाव	**2**		1		
मॉड्यूल-2	लोक प्रशासन के सिद्धांत,परम्परावादी (शास्त्रीय) सिद्धान्त	**2**		1	**18**	25
	नौकरशाही सिंद्धात	2				
	संगठन में संघर्ष प्रबंधन	2				
	मानव सम्बन्ध सिद्धान्त	2		1		
	वैज्ञानिक प्रबन्ध सिद्धान्त (टेलर)	**2**				
	व्यवहारवादी सिद्धान्त	**2**				
	व्यवस्था सिद्धान्त,	2				
	निर्णय निर्माण सिद्धान्त	2				
मॉड्यूल-3	पदसोपान, आदेश की एकता समन्वय एवं संचार	**4**		1	15	25
	सूत्र और स्टाफ, नेतृत्व एवं नियन्त्रण का क्षेत्र, अभिप्रेरणा का सिद्धांत	**4**		1		
	औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन, सार्वजनिक निगम और परिषद	**4**		1		
मॉड्यूल-4-	कार्मिक प्रशासन : भर्ती, प्रशिक्षण,	**4**		1	**15**	25

	पदोन्नति, अनुशासन, मनोबल, नियोक्ता-कर्मचारी सम्बन्ध					
	नौकरशाही : सिद्धान्त, प्रकार एवं भूमिका (वेबर मॉडल)	**4**		1		
	वित्तीय प्रशासन : बजट, लेखांकन एवं लेखा परीक्षा, ओम्बुड्समैन	**4**		1		
योग		**50**	**02**	**08**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
लोकप्रशासन पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य /संदर्भ-ग्रंथ	1. शर्मा, एम. पी. ().*लोक प्रशासन सिद्धांत एवं व्यवहार*.नई दिल्ली:किताब महल. 2. अग्रवाल,ल. ना., अवस्थी एंव माहेश्वरी. ().*लोक प्रशासन*. आगरा. 3. सचदेवा,प्र., सिंह,हो. (). *लोक प्रशासन के सिद्धांत एवं व्यवहार*.नई दिल्ली:पीयरसन. 4. अग्रवाल,ल. ना., सिंहल,एस. सी. (). *लोक प्रशासन के तत्व*. आगरा. 5. फाडिया एवं फाडिया. ().*लोक प्रशासन*.आगरा:साहित्य भवन. 6. जैन, पु. ().*लोक प्रशासन के सिद्धांत*.आगरा:साहित्य भवन. 7. भाम्बरी,सी. पी. (). *लोक प्रशासन*. साहित्य भवन. 8. लक्ष्मीकांत.(). *लोक प्रशासन*.नई दिल्ली:टी. एम. एच. 9. यादव,शु., गौतम, ब. (). *लोक प्रशासन: सिद्धान्त एवं व्यवहार*.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या का नाम: तुलनात्मक शासन एवं राजनीति

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.-10

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:** तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:__________________________________

(Description of Course)

तुलात्मक शासन एवं राजनीति के अंतर्गत एक अध्ययन पद्धति और अध्ययन विषय दोनों ही शामिल है। एक अध्ययन पद्धति के रूप में यह तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित है एवं एक विषय के रूप में इसके अंतरगत राज्य, समाज अथवा राजनीतिक व्यवस्था की अंतर्गत राजनीतिक प्रक्रिया को समझने का प्रयास किया गया है। इस पाठ्चर्या का उद्देश्य विभिन्न देशों की राजनीति और शासन व्यवस्था की तुलनात्मक समझ विकसित करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: ______________________________

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी तुलनात्मक राजनीति के अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र के विभिन्न विकास की प्रक्रियाओं तथा तुलनात्मक राजनीति के विभिन्न उपागमों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी संविधानवाद के उदय एवं विकास, शासन के विभिन्न प्रकारों के साथ साथ राजनीतिक संस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक विकास, राजनीतिक आधुनिकीकरण एवं राजनीतिक समाजीकरण, संचार व सम्प्रेषण की तुलनात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी राजनीति दल प्रणालियों, प्रतिनिधित्व के सिद्धान्त, प्रजातन्त्र का सिद्धान्त, शक्ति का सिद्धान्त तथा अभिजनवर्ग का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	तुलनात्मक राजनीति अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं एक अनुशासन के रूप में विकास (पाश्चात्य एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य)	3		1	15	25
	तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के उपागम : दार्शनिक एवं आधुनिक उपागम	3		1		
	व्यवहारवादी उपागम,संरचनात्मक - प्रकार्यात्मक एवं व्यवस्था उपागम	3		1		
	आगत-निगत सिद्धांत	2		1		
मॉड्यूल-2	संविधानवाद : अभ्युदय विकास, समस्याएँ एवं समाधान	3	1	1	15	25
	शासन के प्रकार : संसदीय तथा अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली,एकात्मक तथा संघात्मक शासन प्रणाली	3	1	1		
	राजनीतिक संस्थाओं (व्यवस्थापिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका) का	3	1	1		

	तुलनात्मक अध्ययन					
मॉड्यूल-3	राजनीतिक संस्कृति एवं राष्ट्रीय पुनर्निर्माण	**3**		1	15	25
	राजनीतिक विकास एवं राजनीतिक आधुनिकीकरण	3		1		
	सतत् विकास का पाश्चात्य एवं प्राच्य/भारतीय परिप्रेक्ष्य	**2**		1		
	राजनीतिक समाजीकरण, राजनीतिक संचार/सम्प्रेषण	3		1		
मॉड्यूल-4	राजनीतिक दल एवं दल प्रणालियाँ एवं दबाव समूह	**3**		1	**15**	25
	प्रतिनिधित्व के सिद्धान्त	**2**		1		
	राजनीतिक अभिजात्य और प्रजातंत्र का अभिजात्य सिद्धान्त	**3**		1		
	शक्ति की संरचना-शासक वर्ग, अभिजन वर्ग, लोकतांत्रिक अभिजन वर्ग	**3**		1		
योग		**42**	**03**	**15**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार

उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
तुलनात्मक शासन एवं राजनीति पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य /संदर्भ-ग्रंथ	1. गेना,सी. बी. (). *तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएँ*. नई दिल्ली:विकास पब्लिशिंग हाउस. 2. जौहरी,जे. सी. (). *तुलनात्मक राजनीति*.नई दिल्ली: स्टार्लिंग पब्लिशिंग हाउस. 3. गाबा,ओ. प्र. (). *तुलनात्मक राजनीति की रूपरेखा*.नोएडा:मयूर पेपर बैक्स. 4. बिस्वाल,त. (). *तुलनात्मक राजनीति संस्थाएँ और प्रक्रियाएँ*. हैदराबाद:ओरियंट ब्लैकस्वॉन. 5. अग्रवाल,ल. ना., सिंहल,एस. सी. ().*तुलनात्मक राजनीति*. आगरा. 6. अग्रवाल,ल. ना., माहेश्वर,एस. आर. (). *तुलनात्मक राजनीति*. आगरा. 7. गौतम,ब. (). *तुलनात्मक राजनीति सिद्धांत संदर्भ*.दिल्ली: हिन्दी माध्यम कार्यन्वयन निदेशालय. 8. सिंह,ब्रि. प्र. (). *तुलनात्मक राजनीति*.नई दिल्ली: ज्ञानेदा प्रकाशन. 9. अग्रवाल,ल. ना., गर्ग,सु. (). *तुलनात्मक राजनीति*. नई दिल्ली. 10. यादव,डॉ. डी. एस. (). *तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक विश्लेषण*.नई दिल्ली:रजत पब्लिशिंग हाउस. 11. यादव,डॉ. डी. एस. ().*राजनीतिक विज्ञान शब्दकोश*.नई दिल्ली: रजत पब्लिशिंग हाउस.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

ज्ञान शांति मैत्री

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** **भारत में शासन विधि एवं लोकनीति**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **एम.ए.पी.एस.-11**

3. **क्रेडिट:** 4 **4. सेमेस्टर:** तृतीय

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी लोक नीति और उसके महत्व की समझ विकसित कर सकेंगे तथा लोक नीति का स्वरूप, प्रकार और विषय क्षेत्र की विवेचना कर सकेंगे। इसके माध्यम से नीति, निर्णय, योजना, लक्ष्य, नीति विश्लेषण और नीति समर्थन की चर्चा और उनमें अंतर स्पष्ट कर सकेंगे तथा नीति आगत, नीति निर्गत और नीति परिणाम की व्याख्या कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी भारतीय प्रशासन का विकास, भारतीय सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं संवैधानिक विशेषताओं के साथ साथ भारत की संगठनात्मक संरचना के बारे जान सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत में सु-शासन, ई-शासन, सार्वजनिक सेवा प्रणाली, नागरिक समाज, एवं जनसहभागिता के विभिन्न रूपों की समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय प्रशासनिक संस्कृति,उसमें सुधार एवं भ्रष्टाचार के विभिन्न रूपों का अध्ययन कर सकेंगे तथा लोकपाल, लोकायुक्त, सिटीजन चार्टर एवं सूचना के अधिकार की कार्य प्रणालियों का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत में योजना आयोग, नीति आयोग, सतत विकास की प्रक्रिया के साथ साथ लोक नीति के विभिन्न प्रकारों के बारे मे जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/ सेमिनार**(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	भारतीय प्रशासन का विकास	**4**		1	**15**	25
	भारतीय प्रशासन : दार्शनिक एवं	**4**		1		

	संवैधानिक ढ़ॉचा					
	संगठनात्मक संरचना: केंद्रीय एवं राज्य प्रशासन	4		1		
मॉड्यूल-2	सु-शासन ई- शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं जनसहभागिता	**6**	1	1	**15**	25
	नागरिक समाज, सुचना का अधिकार एवं सिटिजन चार्टर	**5**	1	1		
मॉड्यूल-3	प्रशासनिक संस्कृति, भ्रष्ट्राचार और प्रशासनिक सुधार	**3**	**1**	1	**15**	25
	उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम एवं शिकायत निवारण प्रणाली	**3**	**1**	1		
	लोकपाल एवं लोकायुक्त	**3**	**1**	1		
मॉड्यूल-4	योजना आयोग एवं नीति आयोग	**3**	**1**	1	**15**	25
	योजना तथा विकास : विकेंद्रीकृत योजना, विकास के लिए योजना, सतत् विकास	**3**	**1**	1		
	सामाजिक-आर्थिक विकास के उपकरण के रूप में लोकनीति : आवास, स्वास्थ्य, पेयजल, खाद्य सुरक्षा इत्यादि के विशेष के संदर्भ में लोकनीति	**3**	**1**	1		
योग		**41**	**08**	**11**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
भारत में शासन विधि एवं लोकनीति पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			मौखिकी (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य /संदर्भ-ग्रंथ	1. अग्रवाल,ल., अवस्थी एवं अवस्थी. (). *भारत में लोकप्रशासन*. आगरा. 2. भट्टाचार्य,मो. (). *लोक प्रशासन के नये आयाम*.नई दिल्ली: जवाहर पब्लिशर्स. 3. चौधरी,बी. एन. (). *भारत में सवैधानिक लोकतंत्र एवं सरकार*.नई दिल्ली:हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय. 4. *सूचना का अधिकार कानून*.नई दिल्ली:बाफना पब्लिकेशन हाऊस. 5. जैन,आर. बी. (). *भारतीय समाज, अधिकारी तंत्र और सुशासन*.नई दिल्ली:हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय. 6. चक्रवर्ती,वि., चंद्र, प्र. (). *भारतीय प्रशासन*. नई दिल्ली: सेज प्रकाशन. 7. यादव,डॉ. डी. एस. (). *भारतीय शासन एवं राजनीति*.नई दिल्ली: रजत पब्लिकेशन. 8. सिन्हा,म. (). *प्रशासन एवं लोकनीति*.हैदराबाद:ओरिएंट ब्लैकस्वॉन. 9. गुप्ता,सु., सिंह,क. कु.(). *सुशासन*.नई दिल्ली:नेशनल बुक ट्रस्ट. 10. शर्मा,जी. एल. (). *सामाजिक मुद्दे*.नई दिल्ली:रावत पब्लिकेशन. 11. अग्रवाल,ल., अवस्थी, डॉ. ए. पी. (). *भारतीय शासन एवं राजनीति*. आगरा. 12. कटारिया,डॉ. सु. (). *भारत में लोकप्रशासन*.जयपुर:आर. बी. एस. पब्लिशर्स. 13. गुप्ता,आ. (). *तुलनात्मक शासन और राजनीतिक समकालीन प्रवृत्तियाँ*.नई दिल्ली:हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम: शोध प्रविधि**

2. **पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.-12**

3. **क्रेडिट:** 4 **4. सेमेस्टर:** तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

प्रत्येक विषय या अनुशासन के विकास में उसके अध्ययन पद्धति एवं अनुसंधान प्रविधि की केंद्रीय भूमिका होती है। राजनीति विज्ञान के छात्रों को शोध प्रविधि के अध्ययन एवं समझ की अत्यंत आवश्यकता होती है। इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रों को शोध प्रविधि के विभिन्न चरणों का बोध कराना है। शोध प्रतिवेदन में शोध के उद्देश्य, क्षेत्र, प्रविधियाँ, संकलित तथ्यों का विवरण, विश्लेषण, व्याख्या और निष्कर्ष आदि लिखित रूप में कैसे प्रस्तुत किया जाय, इसकी समझ विकसित कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी शोध प्रविधि, उद्देश्य, शोध वस्तुनिष्ठता एवं शोधार्थी नैतिकता के साथ साथ विभिन्न शोध प्रचना के बारे में जान सकेंगे।
- विद्यार्थी शोध की विभिन्न पद्धतियों एवं शोध के चरण, शोध समस्या एवं परिकल्पना के बारे जान सकेंगे।
- विद्यार्थी आंकड़ा संग्रहण के विभिन्न तकनीकों एवं शोध सांख्यिकी की विभिन्न पद्धयतियों के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी शोध निष्कर्ष एवं संदर्भ सूची पुस्तक समीक्षा, शोध परियोजना, प्रतिवेदन आदि के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	शोध : परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं विशेषताएँ, शोध की वस्तुनिष्ठता एवं	**5**	**1**	1	**15**	25

	शोधार्थी की नैतिकता					
	शोध प्रचना/अभिकल्प: ऐतिहासिक, वर्णनात्मक, विश्लेषणात्मक, आनुभविक, अन्वेषणात्मक, मात्रात्मक एवं गुणात्मक, परीक्षणात्मक	**6**	**1**	1		
मॉड्यूल-2	शोध पद्धतियाँ : वैयक्तिक अध्ययन, अंतर्वस्तु विश्लेषण, समाजमिति एवं नृजातीय, सांस्कृतिक अध्ययन पद्धति	**5**	1	1	**15**	25
	शोध के चरण : शोध समस्या का चुनाव, साहित्य पुनरावलोकन, परिकल्पना एवं आंकड़ा संग्रहण एवं विश्लेषण, केस स्टडी	**6**	1	1		
मॉड्यूल-3	आंकड़ा संग्रहण की तकनीक : प्राथमिक एवं द्वितीयक श्रोत, प्रश्नावली एवं अनुसूची, अवलोकन एवं साक्षात्कार	**5**	**1**	1	**15**	25
	शोध सांख्यिकी पद्धतियाँ : केंद्रीय प्रवृत्ति की माप, विचलन, सह संबंध, काई स्क्वायर (X^2) परीक्षण, t- परीक्षण एवं f-परीक्षण, SPSS	**6**	**1**	1		
मॉड्यूल-4	शोध की वस्तुनिष्ठता एवं सत्यनिष्ठता	**2**	**1**	1	**15**	25
	शोध निष्कर्ष का	**4**	**1**	1		

	प्रस्तुतीकरण एवं संदर्भ सूची: शोध सारांश, शोध पत्र एवं शोध आलेख, शोध प्रस्ताव, पुस्तक समीक्षा एवं शोध परियोजना प्रतिवेदन					
	बिब्लियोग्राफ़ी: एम.एल.ए.,	**2**		1		
	ए.पी.ए. एवं शिकागो	**1**		1		
योग		**60**			**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अधिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
शोध प्रविधि पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य /संदर्भ-ग्रंथ	1. गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन. 2. मुखर्जी,नाथ. रवींद्र. (2014). *सामाजिक शोध व सांख्यिकी.* दिल्ली: विवेक प्रकाशन. 3. दास, लाल. डी. के. (2017). *सामाजिक शोध: सिद्धांत एवं व्यवहार*. जयपुर: रावत प्रकाशन. 4. त्रिपाठी, सत्येंद्र. (2017). *सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी* जयपुर: रावत प्रकाशन. 5. Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman. 6. Jayaram, N. (1989). *Sociology: Methods and Theory.* Madras : MacMillian.

		7. Bose, P. K. (1995). *Research Methodology.* New Delhi : ICSSR. 8. लाल, जे. एन. (2012). *मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी.* गोरखपुर: नीलकमल प्रकाशन. 9. मुखर्जी,नाथ. रवींद्र. (2014). *सामाजिक शोध व सांख्यिकी.* दिल्ली: विवेक प्रकाशन. 10. दास, लाल. डी. के. (2017). *सामाजिक शोध: सिद्धांत एवं व्यवहार.* जयपुर: रावत प्रकाशन. 11. त्रिपाठी, सत्येंद्र. (2017). *सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी* जयपुर: रावत प्रकाशन. 12. Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Longman Pbc. 13. Sjoberg, G., & Roger, N. (1997). *Methodology for Social Research.* Jaipur : Rawat Pbc.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारत में राज्य राजनीति

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.ई- 05

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:** तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:________________________________

(Description of Course)

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र राजनीति के महत्व एवं आयाम के बारे में,उसकी भूमिका के बारे में, राजनीति के क्षेत्र के बारे में, राज्य राजनीति की प्रकृति के बारे में तथा उसके स्वरूप के बारे में जान सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: ________________________________

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी भारत में राज्य राजनीति के अर्थ, परिभाषा, प्रकृति एवं राज्य राजनीति के विविध प्ररूपों एवं दृष्टिकोण के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी स्वतंत्र भारत में राज्यों के पुनर्गठन, राजनीति के निधारक तत्वों, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं एकीकरण की समस्याओं का अवलोकन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत की केन्द्रीय राजनीति, केंद्र-राज्य संबंध तथा मतदान व्यवहार एवं चुनाव सुधारों का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत में राज्य विधानमंडल की कार्य प्रणाली, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद तथा राज्यपाल के कार्यों एवं भूमिका के बारे में जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	भारत में राज्य राजनीति : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकृति	**3**	**1**	1	**15**	25
	भारत में राज्य राजनीति का महत्व	**3**	**1**	1		
	राज्य राजनीति के अध्ययन का	**4**	**1**	1		

	सैद्धान्तिक आधार एवं दृष्टिकोण					
मॉड्यूल-2	भारतीय संघ व्यवस्था एवं केंद्र राज्य संबंध	**3**	**1**	1	**15**	25
	राज्य राजनीति के निर्धारक तत्व : राजनीतिक दल, दबाव समूह और जनमत	**3**	**1**	1		
	राज्य राजनीति के निर्धारक तत्व : वर्ग,जाति, लिंग, धर्म, सम्प्रदाय, दलित और क्षेत्रीय मुद्दे	**3**	**1**	1		
मॉड्यूल-3	मतदान व्यवहार, चुनाव आयोग एवं चुनाव सुधार	**3**	**1**	1	**15**	25
	केन्द्रीय राजनीति का राज्य राजनीति पर प्रभाव	**3**	**1**	1		
	राज्य-राजनीति का राष्ट्रीय राजनीति पर प्रभाव	**3**	**1**	1		
मॉड्यूल-4	राज्य-विधानमण्डल और उसकी कार्य-प्रणाली	**3**	**1**	1	**15**	25
	राज्य-मन्त्रिपरिषद तथा राज्य-राजनीति में मुख्यमन्त्री	**3**	**1**	1		
	राज्य-राजनीति में राज्यपाल की भूमिका	**3**	**1**	1		
योग		**37**	**11**	**12**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
भारत में राज्य राजनीति पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य /संदर्भ-ग्रंथ	1. मंगलानी,रू. (). *भारतीय शासन एवं राजनीति*.जयपुर: राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 2. कोठारी,र., अग्रवाल,ल. (). *भारत में राजनीति*. आगरा. 3. कोठारी,र., अग्रवाल,ल. (). *भारत में राजनीति आज और कल*. आगरा. 4. शेखावत,भैरो सिंह. (). *आम आदमी और लोकतंत्र*,जयपुर:प्रभात प्रकाशन. 5. चौधरी,बी. एन. (). *भारत में संवैधानिक लोकतंत्र और सरकार*.दिल्ली:हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय. 6. सईद,एस. एम. (). *भारतीय राजनीतिक व्यवस्था*.लखनऊ:भारत बुक सेंटर. 7. कौशिक,सु. (). *भारतीय शासन एवं राजनीति*.दिल्ली:हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय. 8. लक्ष्मीकांत,एम. ().*राज व्यवस्था*.नई दिल्ली:टी. एम. एच. 9. राजकिशोर. ().*भारत का राजनीतिक संकट*.नई दिल्ली:वाणी प्रकाशन. 10. वीर,डॉ. गौ. (). *भारत में राज्यों की राजनीति*.नई दिल्ली: ओमेगा पब्लिकेशन्स. 11. चौधरी,वा. ना. (). *आज का भारत (राजनीतिक और समाज)*.हैदराबाद: ओरिएंट ब्लैकस्वॉन. 12. सिंह,म. प्र. (). *भारतीय राजनीतिक प्रणाली*.दिल्ली:हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय. 13. भांबरी,चं. (). *भारत में लोकतंत्र*.नई दिल्ली:नेशनल बुक ट्रस्ट.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: प्रमुख देशों की विदेश नीति

2. पाठ्यचर्या का कोड: **एम.ए.पी.एस.ई- 06**

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में शक्ति संघर्ष एवं परस्पर अंतर्निर्भता पायी जाती है। कोई भी देश अलग-थलग होकर पूरी तरह आत्मनिर्भर होकर नहीं रह सकता। विभिन्न देशों की विविध प्रकार की जरूरतों की पूर्ति के लिए उनमे पारस्परिक अंतनिर्भरता उन्हे एक दूसरे के नजदीक लाती है और इससे सहयोग एवं मतभेद की ताकतों को भी बल मिलता है, इन सब की समझ विकसित करने को यह पाठ्यक्रम प्रमुख देशों की विदेश नीति पर प्रकाश डालता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति, प्रथम तथा द्वितीय विश्व युद्ध में उसकी भूमिका तथा वर्तमान समय में अमेरिका का अन्य देशों के साथ सम्बन्धों का अवलोकन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी सोवियत संघ/रूस की विदेश नीति, तथा अन्य देशों के साथ उसके संबंधो को जान सकेंगे।
- विद्यार्थी चीन व जापान की विदेश नीति तथा समकालीन विश्व सम्बन्धों के बारे में जान सकेंगे।
- विद्यार्थी ब्रिटेन तथा फ्रांस की विदेश नीति तथा 1990 के बाद अंन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में इनकी महत्ता को समझ सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति: प्रथम विश्व युद्ध के पूर्व (1919 के पूर्व), प्रथम विश्व युद्ध के बाद (1919	**4**		1	**15**	25

	से 1945 तक)					
	संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद (1945 से 1990 तक)	**4**		1		
	1990 से अद्यतन	**4**		1		
मॉड्यूल-2	सोवियत संघ/रूस की विदेश नीति: प्रथम विश्व युद्ध के पूर्व (1919 के पूर्व)	**2**	**1**	1	**15**	25
	सोवियत संघ/रूस की विदेश नीति: प्रथम विश्व युद्ध के बाद (1919 से 1945 तक)	**3**	**1**	1		
	सोवियत संघ/रूस की विदेश नीति: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद (1945 से 1990 तक) एवं 1990 से अद्यतन	**4**	**1**	1		
मॉड्यूल-3	चीन की विदेश नीति:	**6**	**1**	1	**15**	25
	जापान की विदेश नीति:	**5**	**1**	1		
मॉड्यूल-4	ब्रिटेन की विदेश नीति	**6**	**1**	1	**12**	25
	फ्रान्स की विदेश नीति:	**5**	1	1		
योग		**43**	**07**	**10**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8 शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
प्रमुख देशों की विदेश नीति पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य /संदर्भ-ग्रंथ	1. शर्मा,डॉ. म., जैन,शशी के. (). *प्रमुख देशों की विदेश नीतियाँ*.जयपुर. 2. जैन, वी. के. ().*प्रमुख देशों की विदेश नीतियाँ*. 3. बिस्वाल,त. (). *अंन्तर्राष्ट्रीय संबंध*.हैदराबाद: ओरियंट ब्लैंक स्वान. 4. मार्गेंथाऊ, हान्स जे. (). राष्ट्र के मध्य राजनीति,पंचकुला: हरियाणा साहित्य अकादमी. 5. यादव,डॉ. डी. एस. (). *अंतराष्ट्रीय राजनीतिक संबंध*.नई दिल्ली: रजत पब्लिकेशन्स. 6. खन्ना,वी. एल. (). *अन्तर्राष्ट्रीय संबंध*. नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग. 7. पाल, एस. (). *अन्तर्राष्ट्रीय संबंध*.नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 8. आशुतोष,डॉ. कु. (). *अन्तर्राष्ट्रीय संगठन एवं संस्थाएँ*.नई दिल्ली: प्रभात पब्लिकेशन. 9. वर्मा,वि. कु. (). *संयुक्तराष्ट्र एवं वैश्विक संघर्ष*. हैदराबाद: ओरिएन्ट ब्लैक स्वान. 10. तिवारी,र. (). *अन्तर्राष्ट्रीय संगठन*.वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन. 11. फाडिया,वी.एल. (). *अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति (सिद्धांत एवं व्यवहार)*.आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन्स.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम: समकालीन राजनीतिक सिद्धांत**

2. **पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.-13**

3. **क्रेडिट:** 4

4. **4. सेमेस्टर:**चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य समकालीन राजनीतिक सिद्धान्त की अवधारणाओं, विचारों तथा सिद्धांतों से छात्र को अवगत कराना है, इसके अंतर्गत विभिन्न विचारकों के सिद्धांतो, विचारों व धारणाओं की ऐतिहासिक एवं विश्लेषणात्मक व्याख्या करना, विभिन्न वैचारिक पहलुओं की निरंतरता व परिवर्तन , विभिन्न अवधारणाओं , सिद्धांतों व नजरिए में अंतर की आलोचनात्मक व्याख्या को उद्देश्यपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा जिससे समकालीन राजनीति सिंद्धात की समझा विकसित हो सकें।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी राजनीतिक सिद्धान्त क्या है, उसका वर्तमान स्वरूप क्या है, इन प्रश्नों के बारे में जान सकेंगे।
- विद्यार्थी विचारधाराओं के अंत की अवधारणा तथा राजनीतिक सिद्धांतों का प्रभाव आदि का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी समकालीन राजनीतिक सिद्धांतों तथा विचारकों के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी आधुनिकतावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद, नारिवाद, समुदायवाद एवं पर्यावरणवाद जैसे सिद्धांतोंको समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी बहुसंस्कृतिवाद, अस्तित्ववाद एवं दृष्टिकोण के सिद्धान्त के बारे में जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	राजनीतिक सिद्धांत का अभिप्राय, स्वरूप एवं महत्व : वर्तमान परिप्रेक्ष्य	3	1	1	15	25
	व्यवहारवाद एवं	4				

	उत्तर-व्यवहारवाद (डेविड ईस्टन)					
	राजनीतिक सिद्धांत का पतन	**2**				
	विचारधाराओं का अंत और राजनीतिक सिद्धांत पर प्रभाव (फूकोयामा)	3		1		
मॉड्यूल-2	उदारवादी राजनीतिक सिद्धांत एवं उसकी आलोचना (मैकफर्सन)	**3**	1	1	**15**	25
	न्याय का सिद्धांत (जॉन राल्स)	3	1	1		
	राजनीति का महत्व (हन्ना आरेंट)	**2**	1	1		
	राजनीति का क्षेत्र (माइकल ओकशॉट)	2				
मॉड्यूल-3	आधुनिकतावादी एवं उत्तर-आधुनिकतावाद (मिशेल फूको)	**4**	**1**	1	**15**	25
	नारीवाद	**2**		1		
	समुदायवाद	**2**		1		
	पर्यावरणवाद	2		1		
मॉड्यूल-4	बहुसंस्कृतिवाद	**3**	**1**	1	**15**	25
	अस्तित्ववाद (जे. पी. सात्रे)	**3**	**1**	1		
	दृष्टिकोण का सिद्धांत (एड्वर्ड सईद)	**3**	**1**	1		
योग		**41**	**07**	**12**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादानः (Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
समकालीन राजनीतिक सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य /संदर्भ-ग्रंथ	1. दधीच,न. (). *समकालीन राजनीतिक सिद्धांत*.जयपुर: रावत पब्लिकेशन्स. 2. अग्रवाल,ल. न., सिंघल,एस. सी. (). *आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत*.आगरा. 3. पाण्डेय,उ. (). *उत्तर आधुनिकतावाद और गांधी*.जयपुर: रावत पब्लिकेशन्स. 4. सिंह,रा. (). *बहुसंस्कृतिवाद एवं सामाजिक न्याय*.जयपुर: रावत पब्लिकेशन्स. 5. दधीच,न. (). *जॉन राल्स का न्याय सिद्धान्त*.जयपुर: रावत पब्लिकेशन्स. 6. मिल्का,विल्क. (). *समकालीन राजनीतिक दर्शन*.नई दिल्ली: पीयरसन. 7. शुक्ल,रा. (). *वर्चस्व और प्रतिरोध (एडवर्ड सईद)*.नई दिल्ली: नई किताब प्रकाशन. 8. रतन,डॉ. राम. (). *प्रमुख समकालीन राजनीतिक विचारक*.चंडीगढ़: हरियाणा साहित्य अकादमी. 9. सिंह,भो. प्र. (). *उत्तर आधुनिकतावाद (राजनीति, समाज, संस्कृति)*.जयपुर:रावत पब्लिकेशन्स. 10. पारख,ज. (). *अस्तित्ववाद एवं मानववाद*.नई दिल्ली:प्रकाशन संस्थान. 11. हरिभटनागर. (). *ज्यॉ पॉल सार्त्र*.नई दिल्ली:रचना समय प्रकाशन. 12. सिंघल,डॉ. बै. (). *उत्तर आधुनिकता स्वरूप और आयाम*.पंचकूला:हरियाणा साहित्य अकादमी.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारत में राजनीतिक प्रक्रियाएँ

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.-14

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: चतुर्थ

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य भारतीय राजनीतिक प्रक्रियाओं की दृष्टि से छात्रों को राज्यों की प्रकृति, पुनर्गठन, उनके विकास एवं आर्थिक विषमताओं जैसी राजनीतिक प्रक्रियाओं के बारे में अवगत कराना है। राजनीति के अलग अलग पहलुओं जैसे जेंडर राजनीति, राजनीतिक दलों की विचारधारा, सामाजिक आधार एवं क्षेत्रीय दलों का राज्य-राजनीति पर प्रभाव, दल-बदल की राजनीति, गठबंधन की राजनीति, एवं चुनाव सुधार की चुनौतियाँ, सामाजिक आंदोलनों एवं अस्तित्व की राजनीति के बारे में समझ विकसित कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी भारत में राज्यों की प्रकृति, पुनर्गठन एवं नए राज्यों की मांग के साथ साथ राज्यों के मध्य विकास एवं आर्थिक विषमता के बारे में जान सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत में जेंडर राजनीति, राजनीतिक दलों की विचारधारा, सामाजिक आधार एवं क्षेत्रीय दलों का भारतीय राजनीति पर प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत में दल-बदल की राजनीति, गठबंधन की राजनीति, एवं चुनाव सुधार की चुनौतियाँ एवं संभावनाओं का आकलन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत में सामाजिक आंदोलनों, अस्तित्व राजनीति, नागरिक समाज व गैर सरकारी संगठनों की भूमिका के बारे में समझा विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	भारत में राज्यों की प्रकृति, अर्थव्यवस्था एवं विकास	3		1	15	25
	राज्यों का पुर्नगठन एवं नए राज्यों की माँग	3		1		
	राज्यों के मध्य आर्थिक विषमता एवं विकास का मुद्दा	3				
	राज्यों के विकास हेतु योजना एवं नव-आर्थिक नीति	3		1		
मॉड्यूल-2	भारत में लिंग आधारित राजनीति: समानता एवं प्रतिनिधित्व से जुड़े मुद्दे	3	1	1	15	25
	राजनीतिक दलों की विचारधारा तथा सामाजिक आधार : राष्ट्रीय दल एवं उनके कार्यक्रम	3	1	1		
	क्षेत्रीय एवं राज्य स्तर के राजनीतिक दल एवं उनके कार्यक्रम	3	1	1		
मॉड्यूल-3	भारत में दल-बदल की राजनीति	3	1	1	15	25
	भारत में गठबंधन/मिली-जुली सरकार की राजनीति	3	1	1		
	भारत में चुनाव सुधार : प्रक्रियागत चुनौतियाँ एवं सम्भावनाएँ	3	1	1		

मॉड्यूल-4	सामाजिक आंदोलन : दलित, जनजातीय, महिला, किसान, श्रमिक आंदोलन	**3**	**1**	1	**15**	25
	अस्तित्व की राजनीति: पंथ, संप्रदाय, जाति, क्षेत्र,भाषा एवं जनजातीय मुद्दे	**3**	**1**	1		
	नागरिक समाज, गैर-सरकारी संगठन, सामाजिक समूह एवं सामाजिक अभियान समूह	3	1	1		
योग		**39**	**09**	**12**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
भारत में राजनीतिक प्रक्रियाएँ पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य /संदर्भ-ग्रंथ	1. सिंह,अ. प्र. (). *समकालीन भारत में विकास की प्रक्रिया और सामाजिक आंदोलन*.हैदराबाद:ओरिएंट ब्लैकस्वान. 2. वीर,डॉ. ग. (). *भारत में राज्यों की राजनीति*.नई दिल्ली:ओमेगा पब्लिकेशन. 3. नदिम,न. (). *भारत में राज्यों का पुर्नगठन*.नई दिल्ली:राष्ट्रीय पुस्तक न्यास. 4. राजकिशोर. ().*भारत का राजनीतिक संकट*.नई दिल्ली:वाणी प्रकाशन. 5. सिन्हा,स. (). *लोकतंत्र की चुनौतियाँ*.नई दिल्ली:वाणी प्रकाशन. 6. राजकिशोर. ().*दलित राजनीति की समस्याएँ*.नई दिल्ली:वाणी प्रकाशन. 7. सिंह,म. प्र. (). *भारतीय राजनीतिक प्रणाली*.नई दिल्ली:हिन्दी माध्यम कार्यान्वय

		निदेशालय. 8. गुप्ता,मो. (). *भारत में समाज*.जयपुर:राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 9. शाह, घ. ().*भारत में सामाजिक आंदोलन*.नई दिल्ली:सेज प्रकाशन. 10. ब्रास,पॉल. आर. ().*चरण सिंह और कांग्रेसराजनीति*.नई दिल्ली: सेज प्रकाशन. 11. सिंह,रा. (). *भारतीय राजनीतिक विकास और विश्लेषण*.नई दिल्ली:नयी किताब प्रकाशन. 12. प्रसाद,यू. (). *भारत में मतदान व्यवहार के बदले आयाम: वर्तमान परिपेक्ष्य में*.नई दिल्ली:यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 13. शर्मा, चं. ().*शिक्षा समाज और राजनीति*. नई दिल्ली: कौटिल्य पब्लिकेशन.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** भारत एवं अंन्तर्राष्ट्रीय संबंध

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **एम.ए.पी.एस.-15**

3. **क्रेडिट:** **4**

4. **सेमेस्टर:**चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या के माध्यम विद्यार्थी भारत की विदेश नीति के उद्देश्य, सिद्धान्त व निर्धारक तत्वों से अवगत हो सकेंगे तथा साथ ही भारत की पड़ोसी देशों एवं विश्व के प्रमुख देशों के साथ भारत के संबंधों का अध्ययन कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी भारत की विदेश नीति के उद्देश्य, सिद्धान्त व निर्धारक तत्वों के साथ साथ गुटनिरपेक्ष आंदोलन की पृष्टभूमि सिद्धान्त एवं उसकी प्रासंगिकता काअध्ययन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत का अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधो की व्याख्या एवं सार्क के साथ सम्बन्धों काअध्ययन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत एवं दक्षिण-पूर्व एशिया, जापान, आसियान, दक्षिण कोरिया, मध्य एशिया आदि देशों के साथ सम्बन्धों का अध्ययन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत एवं महाशक्तियों के साथ सम्बन्ध तथा संयुक्त राष्ट्र संघ एवं यूरोपीय संघ के देशों के साथ सम्बन्धों का अध्ययन कर इसके बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	भारतीय विदेश नीति के निर्धारक तत्व, उद्देश्य व सिद्धान्त	**2**		1	**15**	25
	गुट निरपेक्ष आंदोलन की ऐतिहासिक पृष्टभूमि, सिद्धान्त व समकालीन	**3**		1		

	प्रासंगिकता					
	भारतीय विदेश नीति में निरंतरता एवं परिवर्तन के तत्व	**3**		1		
	भारतीय विदेश नीति की नई व्यावहारिकता तथा आर्थिक एवं लोक कूटनीति	3		1		
मॉड्यूल-2	पड़ोसी देशो के साथ संबंध, भारत-दक्षेस संबंध, दक्षिण एशिया के साथ संघर्ष एवं सहयोग, भारत-चीन संबंध	**6**	**1**	1	**15**	25
	भारत व दक्षिण-पूर्व एशिया: पूरब की ओर देखो की नीति	**5**	**1**	1		
मॉड्यूल-3	भारत-आसियान संबंध	**2**		1	**15**	25
	भारत-जापान सम्बन्ध,	2				
	भारत-दक्षिण कोरिया सम्बन्ध	2				
	भारत एवं पश्चिमी एशिया संबंध	**3**		1		
	भारत एवं मध्य-एशिया संबंध	**3**		1		
मॉड्यूल-4	भारत और यूरोपीय संघ के मध्य संबंध	**2**		1	**15**	25
	भारत और रूस के मध्य संबंध	**2**		1		
	भारत और अमेरिका के मध्य संबंध	**2**		1		
	भारतीय और अफ्रीका के मध्य संबंध	**2**		1		
	भारत और संयुक्त राष्ट्र	**2**		1		
योग		**44**	**02**	**14**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
भारत एवं अंन्तर्राष्ट्रीय संबंध पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य /संदर्भ-ग्रंथ	1. पंत,पु. (). *भारत की विदेश नीति*.नई दिल्ली:टी. एम.एच. 2. यादव,आर. एस. (). *भारत की विदेश नीति*.नई दिल्ली:पीयरसन. 3. मौर्य, जे. ().*आधुनिक भारत और उसके पड़ोसी देश*.नई दिल्ली:यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स. 4. सीकरी,रा. (). *भारत की विदेशी नीति*.नई दिल्ली:सेज प्रकाशन. 5. सिंह,पं. कु. (). *भारत की विदेश नीति*.नई दिल्ली:प्रकाशन संस्थान. 6. दीक्षित,जे. एन. (). *भारत की विदेश नीति*.नई दिल्ली:सेज प्रकाशन. 7. शर्मा,आर. पी. (). *भारत की विदेश नीति*.नई दिल्ली:यूनिवर्सिटी प्रकाशन. 8. दत्त,वी. पी. (). *बदलती दुनिया में भारत की विदेशी नीति*.नई दिल्ली:हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 9. *गुटनिरपेक्ष आंदोलन और पं. जवाहरलाल नेहरू*.दिल्ली:कनिष्क प्रकाशन.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम: लघु शोध प्रबंध एवं मौखिकी**

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **एम.ए.पी.एस.-16**

3. **क्रेडिट:** 2

4. **सेमेस्टर:** चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:____
(Description of Course)

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: ____
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	1. पाठ का शीर्षक - उपशीर्षक (यदि कोई हैं) 2. …………					25
मॉड्यूल-2						25
मॉड्यूल-3						25
मॉड्यूल-4						25
मॉड्यूल-5--						
योग						

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
मौखिकी पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

ज्ञान शांति मैत्री

1. **पाठ्यचर्या का नाम: दक्षिण एशिया में शासन एवं राजनीति**

2. **पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.ई-07**

3. **क्रेडिट: 4**

4. **सेमेस्टर:** चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी दक्षिण एशिया की भौगोलिक स्थिति एवं उसका महत्व, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विकास, राजनीतिक एवं सामाजिक विकास तथा दक्षिण एशिया की राजनीति के बारे में अवगत हो सकेंगे। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी दक्षिणी एशियाई देशों- पाकिस्तान, बांग्लादेश नेपाल, भूटान, श्रीलंका, अफगानिस्तान व मलद्वीप के संवैधानिक विकास, राजनैतिक ढाँचा, विदेश नीति एवं वैश्विक संबंध को समझ सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी दक्षिण एशिया की भौगोलिक स्थिति एवं उसका महत्व, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विकास, राजनीतिक एवं सामाजिक विकास तथा दक्षिण एशिया राजनीति का अध्ययन कर सकेंगे।
- विद्यार्थी पाकिस्तान की उत्पत्ति एवं संवैधानिक विकास, पाकिस्तान की विदेश नीति तथा बांग्लादेश की उत्पत्ति, संवैधानिक विकास एवं विदेश नीति के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी नेपाल व भूटान के संवैधानिक विकास, राजनैतिक ढाँचा, विदेश नीति एवं वैश्विक संबंध का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी श्रीलंका, अफगानिस्तान व मलद्वीप के संवैधानिक विकास, राजनीति प्रक्रिया, विदेश नीति एवं वैश्विक सम्बन्धों के बारे में जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	दक्षिण एशिया की भौगोलिक स्थिति	3		1	15	25

	एवं उसका महत्व					
	दक्षिण एशिया की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का विकास	**3**	**1**	1		
	राजनीतिक व सामाजिक ढांचे का विकास	**2**		1		
	दक्षिण एशिया की राजनीति में दक्षेस की भूमिका	3		1		
मॉड्यूल-2	पाकिस्तान : उत्पत्ति और संवैधानिक विकास; राजनैतिक संरचना और प्रक्रियाएँ (व्यवस्थापिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका) एवं राजनीतिक दल	**3**	**1**		**15**	25
	पाकिस्तान की विदेश नीति, वैश्विक सम्बन्ध एवं पाकिस्तान की राजनीति में सेना की भूमिका	**3**	**1**			
	बांग्लादेश : उत्पत्ति व संवैधानिक विकास, राजनैतिक संरचना और प्रक्रियाएँ, बांग्लादेश में राजनीतिक दल	3	1			
	बांग्लादेश की विदेशनीति एवं वैश्विक सम्बन्ध	**3**				
मॉड्यूल-3	नेपाल :- संवैधानिक विकास, राजनैतिक ढांचा और प्रक्रियाएँ, राजनैतिक विकास व	**3**	**1**		**15**	25

	राजनीतिक दल					
	नेपाल की विदेश नीति एवं वैश्विक सम्बन्ध	**3**	**1**			
	भूटान :- संवैधानिक विकास, राजनैतिक ढांचा और प्रक्रियाएँ, राजनैतिक विकास व राजनीतिक दल,भूटान की विदेश नीति एवं वैश्विक सम्बन्ध	**5**	**1**	1		
मॉड्यूल-4	श्रीलंका : संवैधानिक विकास; राजनैतिक संरचना और प्रक्रिया (व्यवस्थापिका, कार्यपालिका वन्यायपालिका); राजनीतिक दल, श्रीलंका में जातीयता की समस्या	**3**		1	**15**	25
	श्रीलंका की विदेश नीति एवं वैश्विक सम्बन्ध	**2**		1		
	अफगानिस्तान : संवैधानिक विकास एवं राजनैतिक संरचना, अफगानिस्तान मेतालिवानी संघर्ष और आतंकवाद की समस्या एवं वैश्विक सम्बन्ध	**3**		1		
	मालदीव : संवैधानिक विकास, राजनैतिक संरचना व प्रक्रिया और विदेश नीति एवं वैश्विक सम्बन्ध	3		1		
योग		**45**	**01**	**14**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
दक्षिण एशिया में शासन एवं राजनीति पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य /संदर्भ-ग्रंथ	1. Biswal, T. (2009). *International Relations (Antarashtriya Sambandh-Hindi)*. Macmillan. 2. Basu, R. (Ed.). (2018). *Antarrashtreey Rajneeti: Avdharnayen, Siddhant tatha Mudde.* SAGE Publishing India. 3. Bajpai, A. *Samkalin Vishva evam Bharat (Hindi)*. Pearson Education India. 4. Smith, D. E. (2015). *South Asian politics and religion*. Princeton University Press. 5. Jahan, R. (1987). Women in south Asian politics. *Third World Quarterly*, *9*(3), 848-870. 6. Brass, P. R. (Ed.). (2010). *Routledge Handbook of South Asian Politics: India, Pakistan, Bangladesh, Sri Lanka, and Nepal*. Routledge. 7. Lau, L., & Mendes, A. C. (Eds.). (2012). *Re-orientalism and South Asian identity politics: The oriental other within* (Vol. 44). Routledge.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम: समसामायिक भारतीय राजनीतिक मुद्दे

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.ए.पी.एस.ई-08

3. क्रेडिट: 2

4. 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य समकालीन भारतीय राजनीतिक सिद्धान्त की अवधारणाओं, विचारों तथा सिद्धांतों से अवगत कराना है, इसके अंतर्गत विभिन्न विचारकों के सिद्धांतों, विचारों व धारणाओं की ऐतिहासिक एवं विश्लेषणात्मक व्याख्या करना, विभिन्न वैचारिक पहलुओं की निरंतरता व परिवर्तन , विभिन्न अवधारणाओं, सिद्धांतों व नजरिए में अंतर की आलोचनात्मक व्याख्या को उद्देश्यपूर्ण ढंग से रखना जिससे निरंतरता और बदलाव को समझा जा सके।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी भारतीय राजनीति में व्याप्त मुद्दे जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता एवं राष्ट्रवाद के बारे अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय राजनीति में अनुसूचित जाति/जन जाति,अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्गों की समस्याओं, आरक्षण की राजनीति तथा भारत में भ्रष्टाचार की समस्याओं के संबंध में अपनी समझ विकसितकर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत में राज्य स्वायतत्ता की मांग, जम्मू-कश्मीर की राजनीति में धारा 370 के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय राजनीति में हिंसा, नक्सलवाद, आतंकवाद, राष्ट्रीय एवं आंतरिक सुरक्षाजैसे मुद्दों का विश्लेषण करने में समर्थ हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में) व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)	कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	जातिवाद एवं क्षेत्रवाद	**2**			**6**	20
	राष्ट्रवाद एवं भाषावाद	**2**				
	पंथ निरपेक्षता एवं साम्प्रदायिकता	2				
मॉड्यूल-2	अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग एवं अल्पसंख्यकों की समस्याएँ	**3**		1	**10**	33.33
	आरक्षण की राजनीति एवं उत्पन्न समस्याएँ	3				
	भ्रष्टाचार एवं कालाधन की समस्या	**2**		1		
मॉड्यूल-3	अनुच्छेद 370 का भारतीय राजनीति में प्रभाव	**2**		1	**8**	26.67
	नागरिकता संशोधन अधिनियम	**2**		1		
	समान नागरिक संहिता	**2**				
मॉड्यूल-4	हिंसा, नक्सलवाद एवं आतंकवाद की समस्या	**2**		1	**6**	20
	आंतरिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा	**2**		1		
योग		**24**		**06**	**30**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केन्द्रित विधि और विषय एवं सामग्री केन्द्रित विधि
तकनीक	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद एवं सेमिनार
उपादान	ऑडियो, विडियो, पीपिटी, मॉडल, रेखा चित्र, ईत्यादि का प्रयोग विषय के अनुरूप किया जाएगा

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
समसामायिक भारतीय राजनीतिक मुद्दे पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ /संदर्भ-ग्रंथ	1. मंगलानी,रू. (). *भारतीय शासन एवं राजनीति*.जयपुर: राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 2. कोठारी,र., अग्रवाल,ल. ना. (). *भारत में राजनीति*. आगरा. 3. कोठारी,र., अग्रवाल,ल. ना. (). *भारत में राजनीति आज और कल*. आगरा. 4. शेखावत,भैरो सिंह. (). *आम आदमी और लोकतंत्र*.जयपुर: प्रभात प्रकाशन. 5. चौधरी,बी. एन. (). *भारत में संवैधानिक लोकतंत्र और सरकार*.दिल्ली: हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय. 6. सईद,एस. एम. (). *भारतीय राजनीतिक व्यवस्था*.लखनऊ:भारत बुक सेंटर. 7. कौशिक,सु. (). *भारतीय शासन एवं राजनीति*.दिल्ली:हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय. 8. लक्ष्मीकांत,एम. (). *राज व्यवस्था*.नई दिल्ली:टी. एम. एच. 9. राजकिशोर. ().*भारत का राजनीतिक संकट*.नई दिल्ली:वाणी प्रकाशन. 10. वीर,डॉ. ग. (). *भारत में राज्यों की राजनीति*.नई दिल्ली:ओमेगा पब्लिकेशन्स. 11. चौधरी,व. नाथ. (). *आज का भारत (राजनीतिक और समाज)*.हैदराबाद:ओरिएंट ब्लैकस्वॉन. 12. सिंह,म. प्र. (). *भारतीय राजनीतिक प्रणाली*.दिल्ली:हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय. 13. भांबरी,च. (). *भारत में लोकतंत्र*.नई दिल्ली:नेशनल बुक ट्रस्ट.
2	ई-संसाधन	
3	अन्य	